www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद

Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000kg

2 केरल से कुछ सीखें अन्य सरकारें, मजहबी मान्यताओं के ठेकेदारों पर लगाम जरूरी

ट्रम्प ने 14 देशों पर टैरिफ लगाया, भारत शामिल नहीं 06

वर्ष :17 | अंक :98 | प्रयागराज , बुधवार ,09 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

सुदर्शना फाउंडेशन द्वारा दिल्ली और अमरावती में वृक्षारोपण कार्यक्रम सफल

नई दिल्ली/अमरावती। सुदर्शना फाउंडेशन की ओर से पर्यावरण संरक्षण के लिए दिल्ली और महाराष्ट्र के अमरावती में वृक्षारोपण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस पहल में फाउंडेशन के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाज तक पहुंचाया। दिल्ली में फाउंडेशन की अध्यक्षा संयुक्ता देशमुख के मार्गदर्शन में सदस्या याशिका नागपूरकर ने वृक्षारोपण किया। उन्होंने स्थानीय नागरिकों को वृक्षारोपण का महत्व समझाते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की। याशिका ने कहा, पेड़ लगाना न केवल पर्यावरण के लिए, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम है।इसी बीच, महाराष्ट्र के अमरावती में विद्या गणेश येरमे के नेतृत्व में छाया मोतीराम आळे, उषा कैलास परचके और नलु शेखर धानविज ने वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया।

जगन रेड्डी की पार्टी के नेता ने महिला टीडीपी विधायक के बारे में की अभद्र टिप्पणी, मच गया बवाल

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के नेता और पूर्व विधायक नल्लापुरेड्डी प्रसन्ना कुमार रेड्डी 7 जुलाई को नेल्लोर जिले में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान टीडीपी विधायक वेमिरेड्डी प्रशांति रेड्डी के खिलाफ अश्लील और महिला विरोधी टिप्पणी करने के लिए आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं।एक वीडियो में प्रसन्ना कुमार रेड्डी ने प्रशांति रेड्डी पर अपने पति, सांसद वेमिरेड्डी प्रभाकर रेड्डी को उससे शादी करने के लिए ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया, और चौंकाने वाली टिप्पणी करते हुए कहा कि वह उसे नींद में जहर दे सकती है। एक वीडियो में प्रसन्ना कुमार रेड्डी ने प्रशांति रेड्डी पर अपने पति, सांसद वेमिरेड्डी प्रभाकर रेड्डी को उससे शादी करने के लिए ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया, और चौंकाने वाली टिप्पणी करते हुए कहा कि वह उसे नींद में जहर दे सकती है।इसके बाद उन्होंने उन पर बदतमीजी करते हुए कहा कि उत्तर भारत के लोग उन्हें उनके कामों के लिए जानते हैं, जबकि मंच पर मौजूद वाईएसआरसीपी समर्थकों ने उनकी टिप्पणियों पर हंसते हुए तालियां बजाईं। वेमिरेड्डी प्रशांति रेड्डी ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें नल्लापुरेड्डी पर आपराधिक साजिश, आपराधिक मानहानि, उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने और सार्वजनिक रूप से शरारत फैलाने का आरोप लगाया गया।शिकायत में आईपीसी और भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं का हवाला दिया गया, जिसमें यौन उत्पीड़न, मानहानि, अश्लील इशारे और आपराधिक धमकी के प्रावधान शामिल हैं।

ऐसी सजा देंगे, लोग याद रखेंगे : सीएम योगी

जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा पर सीएम योगी आदित्यनाथ का बयान

बयान

योगी ने आगे लिखा कि राज्य में शांति, सौहार्द और महिलाओं की सुरक्षा को भंग करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है।उन्हें कानून के अनुसार ऐसी सजा दी जाएगी, जो समाज के लिए एक उदाहरण बने।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते ने धर्म परिवर्तन कराने वाले गिरोह के कथित सरगना को उसके सहयोगी के साथ गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और सह-आरोपी नीतू उर्फ नसरीन बलरामपुर जिले के मधपुर के निवासी हैं।बयान में कहा गया कि जलालुद्दीन के खिलाफ एक अदालत ने गैर-जमानती वारंट जारी किया था, जबकि पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 50,000 रुपये का नकद इनाम घोषित किया था। पूरे मामले को लेकर अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। योगी ने एक्स पर लिखा कि हमारी सरकार बहन-बेटियों की गरिमा और सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी जलालउद्दीन की गतिविधियां समाज विरोधी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगी। आरोपी और उसके गिरोह से जुड़े सभी अपराधियों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी और उन पर सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी। योगी ने आगे लिखा कि राज्य में शांति, सौहार्द और महिलाओं की सुरक्षा को भंग करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है।उन्हें कानून के अनुसार ऐसी सजा दी जाएगी, जो समाज के लिए एक उदाहरण बने। जांचकर्ताओं ने बताया कि मुंबई निवासी घनश्याम रोहेरा, उनकी पत्नी नीतू और बेटी समाले ने नवंबर 2015 में दुबई में इस्लाम धर्म अपना लिया और अपना नाम क्रमशः जमालुद्दीन, नसरीन और सबीहा रख लिया। बाद में, जमालुद्दीन और उसका परिवार बलरामपुर में चांद औलिया दरगाह के पास रहने लगा, जहाँ वह खुद को सूफी संत हजरत बाबा जमालुद्दीन 'पीर बाबा' बताता था। यूपी के विभिन्न जिलों में दर्ज एफआईआर के अनुसार, दंपति ने कथित तौर पर कम से कम 40 लोगों को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए लालच दिया। एडीजीपी (कानून और व्यवस्था), अमिताभ यश ने कहा, स्वयंभू आध्यात्मिक नेता जमालुद्दीन ने एक धर्म परिवर्तन नेटवर्क का संचालन किया। एसटीएफ ने समूह की गतिविधियों की जांच शुरू की, जिसमें एक जटिल ऑपरेशन का खुलासा हुआ, जिसमें लोगों को रोमांटिक रिश्तों, बल या प्रलोभन के माध्यम से धर्म परिवर्तन के लिए लुभाया जाता था।उन्होंने कहा, जांच में यह भी पता चला कि गिरोह नाबालिगों का धर्म परिवर्तन करने में शामिल था।

जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा का अड्डा ध्वस्त

धर्मांतरण गिरोह के कथित सरगना छांगुर बाबा की संपत्ति ध्वस्त करने पर एसपी विकास कुमार ने कहा कि छांगुर बाबा द्वारा सरकारी जमीन पर बनाई गई इस इमारत को ध्वस्त किया जा रहा है।यहां पुलिस और पीएसी तैनात है।धर्म परिवर्तन गिरोह के मुख्य व्यक्ति छांगुर बाबा की गिरफ्तारी के बाद उत्तर प्रदेश प्रशासन ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में उसकी संपत्तियों पर कार्रवाई की और उसे ध्वस्त कर दिया।छांगुर बाबा, जिसका असली नाम जलालुद्दीन है, को पिछले शनिवार को उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने गिरफ़्तार किया था।उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी होने के बाद उसकी गिरफ़्तारी हुई और पुलिस ने उसकी गिरफ़्तारी में मदद करने वाली सूचना देने वाले को 50,000 रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की।

तीन बीघा जमीन पर किलेनुमा कोठी

कोठी उतरौला-मनकापुर मुख्य मार्ग पर है।3 बीघा जमीन पर करीब 3 करोड़ से बनाई गई थी।इसमें 10 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं।कोठी के चारों तरफ बाउंड्री वाल पर तार दौड़ाया गया था।इस पर रात को करंट दौड़ाई जाती थी, ताकि कहीं से कोई अंदर न आ सके।मेन गेट से कोठी तक जाने के लिए 500 मीटर की प्राइवेट रोड बनी हुई है।

ब्राजीलिया में स्टेट विजिट पर पहुंचे पीएम मोदी

राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने रिसीव किया, गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत; ट्रेड-डिफेंस पर बातचीत करेंगे

"पैलेस में पीएम मोदी के आने पर भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति दी गई।प्रधानमंत्री मोदी और ब्राजीली राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने एक-दूसरे को गले लगाया।औपचारिक स्वागत के दौरान अल्वोराडा पैलेस में भारत और ब्राजील के राष्ट्रगान धुन बजे।

ब्राजीलिया में मोदी का इंडियन क्लासिकल डांस से स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिक्स समिट में शामिल होने के बाद मंगलवार की सुबह (भारतीय समयानुसार) रियो डी जनेरियो से ब्राजील की राजधानी ब्राजीलिया पहुंचे थे।यहां पर उनका स्वागत शिव तांडव स्तोत्र और भारतीय शास्त्रीय नृत्य से किया गया था।

एजेंसी

ब्राजीलिया , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील के राजकीय दौरे पर हैं। वे मंगलवार को राजधानी ब्राजीलिया में अल्वोराडा पैलेस (राष्ट्रपति निवास) पहुंचे। राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने उनका स्वागत किया।पीएम मोदी आज ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के साथ ट्रेड, डिफेंस, एनर्जी, स्पेस, टेक्नोलॉजी, खेती और हेल्थ समेत कई मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। भारतीय पीएम 2 जुलाई से 10 जुलाई तक 5 देशों की यात्रा पर हैं। अब तक वे घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना का दौरा कर चुके हैं।फिलहाल वे ब्राजील दौरे पर हैं और यहां से नामीबिया जाएंगे। पीएम मोदी के सम्मान में रंग-बिरंगे परिधानों में सजे कलाकारों ने पारंपरिक सांबा रेगे नृत्य की शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर इसकी सराहना भी की। पीएम मोदी ने कहा कि यह प्रस्तुति ब्राजील के समृद्ध विरासत को दशार्ती है। पीएम मोदी ने इससे पहले सोमवार को ब्रिक्स सम्मेलन में पर्यावरण, जलवायु सम्मेलन और वैश्विक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर चर्चा की।उन्होंने कहा कि लोगों और धरती का स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है।मोदी ने कहा- कोरोना महामारी ने दिखा दिया कि बीमारी किसी पासपोर्ट या वीजा की मोहताज नहीं होती और इसका समाधान भी सबको मिलकर ही निकालना होता है।इसलिए, हमें अपने ग्रह को स्वस्थ रखने के लिए मिलकर कोशिश करनी होगी।

ब्रिक्स देशों ने पहलगाम हमले की निंदा की

इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले (क्वाड) ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई।वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इफकउर से जुड़ने की इच्छा रखने वाले नए देशों पर एक्स्ट्रा 10% टैरिफ का ऐलान किया है।

ड्रीमलाइनर सबसे सुरक्षित प्लेन :एअर इंडिया

दुनियाभर में इसकी हजार से ज्यादा फ्लाइट्स; पीएसी को अहमदाबाद प्लेन क्रैश की रिपोर्ट सौंपी

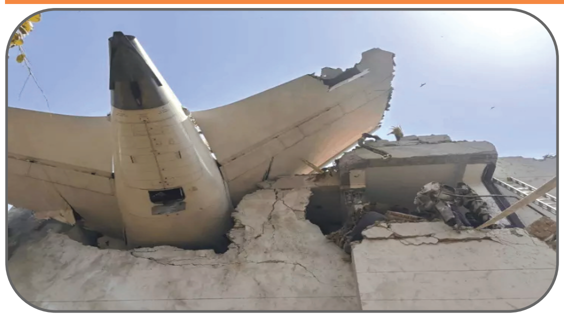

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई ,अहमदाबाद प्लेन क्रैश मामले में एअर इंडिया ने पब्लिक अकाउंट्स कमेटी को रिपोर्ट सौंपी है।इसमें कहा गया है कि ड्रीमलाइनर प्लेन सबसे ज्यादा सुरक्षित विमानों से एक हैं।दुनियाभर में इसकी हजार से ज्यादा फ्लाइट्स हैं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, एयरलाइन ने पीएसी की बैठक के दौरान अपना पक्ष रखते हुए ड्रीमलाइनर पर बयान दिया है। हालांकि, बैठक एयरपोर्ट पर लेवी चार्जेस लगाने पर चर्चा के लिए थी। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट अक 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। सिर्फ एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है।

एविएशन के सेफ्टी प्रोसीजर पर सवाल

रिपोर्ट के मुताबिक, पीएसी कमेटी में शामिल सांसदों ने सेफ्टी प्रोसिजर पर एविएशन अधिकारियों से जवाब मांगा।बीसीएसी से तत्काल ऑडिट की मांग की। बैठक में जीडीएसी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए। इसके साथ ही हाल के सिक्योरिटी लैप्स पर चिंता जताई।

उन्हें अपने माता-पिता के शासनकाल को देखना चाहिए, तेजस्वी यादव पर ललन सिंह का पलटवार

ललन सिंह ने दावा किया कि गोपाल खेमका हत्याकांड के सभी आरोपी गिरफ्तार हैं।लालू यादव के कार्यकाल में क्या कार्रवाई हुई? आज बिहार की सड़कों पर आधी रात को भी लोग निकल सकते हैं।

एजेंसी

नयी दिल्ली। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के बयान पर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने पलटवार किया है।ललन सिंह ने साफ तौर पर कहा कि तेजस्वी यादव के बयानों को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या सीएम को किसी घटना पर कार्रवाई करनी चाहिए या उस पर बोलना चाहिए? उन्हें अपने माता-पिता के शासनकाल को देखना चाहिए, जब संगठित अपराध, अपहरण और नरसंहार होता था। हर जगह घटनाएं होती हैं, लेकिन आज उसके बाद तुरंत कार्रवाई होती है और आरोपियों को गिरफ्तार किया जाता है। ललन सिंह ने दावा किया कि गोपाल खेमका हत्याकांड के सभी आरोपी गिरफ्तार हैं। लालू यादव के कार्यकाल में क्या कार्रवाई हुई? आज बिहार की सड़कों पर आधी रात को भी लोग निकल सकते हैं। 20 साल के कार्यकाल में नीतीश कुमार ने एसपी को फोन तक नहीं किया, वो सिर्फ डीजीपी को निर्देश देते हैं, जबकि लालू यादव सिपाही और इंस्पेक्टर से भी बात करते थे। उनके शासन में राज्य प्रायोजित अपराध होता था। तेजस्वी यादव ने बिहार में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए रविवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के शासन में राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है और पिछले कुछ दशकों में राज्य में 65,000 हत्याएं हुई हैं।

सम्पादकीय

फर्जी लाभार्थियों पर लगाम, केवाईसी पर देना होगा ध्यान

यह ठीक है कि अनावश्यक केवाईसी नहीं होनी चाहिए और बार-बार नहीं होनी चाहिए लेकिन कुछ योजनाओं और सुविधाओं में तो अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। यह आवश्यक हो गया है कि सिम कार्डधारकों की केवाईसी के साथ ही उसे आधार से जोड़ने का काम इस तरह से हो ताकि कोई भी फर्जी नाम से सिम न लेने पाए ।लोगों की पहचान और उनके दस्तावेजों की पुष्टि करने वाली प्रक्रिया कितनी लाभकारी सिद्ध हो रही है, इसका पता पंजाब में लाखों की संख्या में फर्जी लाभार्थियों के सामने आने से चल रहा है। इस राज्य में 45 लाख परिवार सस्ता अनाज ले रहे थे। जब उनसे केवाईसी कराने को कहा गया तो पात्र लाभार्थी काफी कम निकले। करीब 31 लाख लोग भ्रष्ट तौर-तरीकों का सहारा लेकर अपात्र होते हुए भी केंद्र सरकार की सस्ता अनाज योजना का लाभ उठा रहे थे। इससे बड़ी विडंबना और चिंता की बात कोई नहीं कि जो लोग गरीबी रेखा से नीचे नहीं थे वे भी मुफ्त अनाज ले रहे थे। जिन लाखों लोगों ने केवाईसी नहीं कराई उनके बारे में इस नतीजे पर पहुंचना स्वाभाविक है कि वे अपात्र थे। यह कोई पहली बार नहीं है जब किसी सरकारी सुविधा अथवा रियायत या राहत का अनुचित लाभ उठाया जा रहा हो। इस तरह के मामले अन्य अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं में भी सामने आते रहे हैं। इन मामलों के सामने आने से इसी आवश्यकता को बल मिलता है कि प्रत्येक योजना के लाभार्थियों की केवाईसी कराई जानी चाहिए। किसान सम्मान निधि, राशन कार्ड समेत अन्य अनेक मामलों में केवाईसी होती है ।उचित यह होगा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की प्रत्येक योजना को केवाईसी से जोड़ा जाए ताकि सरकारी सहायता और सुविधा का लाभ उन्हीं लोगों को मिल सके जो उसके अधिकारी हैं। इसका कोई औचित्य नहीं कि जो पात्र नहीं यानी सक्षम हैं, वे किसी भी सरकारी सुविधा-सहायता का अनुचित लाभ उठाएं ।ऐसा इसलिए नहीं होना चाहिए, क्योंकि केंद्र एवं राज्य सरकारें सैकड़ों करोड़ रुपये की सब्सिडी देती हैं। इस सब्सिडी का दुरुपयोग भ्रष्टाचार के अलावा और कुछ नहीं। कई बार इस भ्रष्टाचार में सरकारी अधिकारी एवं कर्मचारी भी शामिल होते हैं। निश्चित तौर पर नेता लोग भी शामिल होते हैं और इसीलिए वे यदाकदा केवाईसी को अनावश्यक एवं जटिल भी करार देते हैं। यह निरा झूठ है और एक तरह से भ्रष्टाचार की अनदेखी भी। इसका अनुमान लगाना कठिन है कि फर्जी लाभार्थियों ने कितनी बड़ी धनराशि अनुचित रूप से हासिल की होगी। इस राशि का एक बड़ा हिस्सा भ्रष्ट नेताओं और नौकरशाहों की जेब में गया होगा। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि अपने देश में भ्रष्टाचार के नियंत्रित न हो पाने का एक बड़ा कारण भ्रष्ट नेता, अधिकारी एवं कर्मचारी भी हैं।

आज का विचार

सफलता का आशीर्वाद
केवल उन्हें ही मिलता है
जिन्होंने कभी **संघर्ष** के क़दमों
को स्पर्श किया हो

भारत संवाद

राशिफल

मेष राशिः करियरः कार्यक्षेत्र में तनाव रह सकता है, संयम रखें। बिजनेसः व्यापार में उतार-चढ़ाव रहेगा, निवेश सोच-समझकर करें। धनः धन हानि से बचने के लिए सोच-समझकर खर्च करें। शिक्षाः एकाग्रता की कमी रह सकती है, ध्यान केंद्रित करें।

वृषभ राशि : करियरः करियर में सकारात्मक बदलाव आएंगे, नए अवसर मिलेंगे। बिजनेसः व्यापार में नए साझेदार मिल सकते हैं। धनः आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, लाभ मिलेगा। शिक्षाः विद्यार्थी नई दिशा में सोच सकते हैं। लव/पारिवारिकः परिवार में खुशी और शांति बनी रहेगी। उपायः शिवलिंग पर जल अर्पित करें।

मिथुन राशिः करियरः दिन तनावपूर्ण हो सकता है, सावधानी से निर्णय लें। बिजनेसः रुकी हुई डील करते समय सतर्क रहें। धनः आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, फिजूलखर्ची से बचें। शिक्षाः पढ़ाई में फोकस बनाए रखना आवश्यक होगा। लव/पारिवारिकः पुराने मित्र से मुलाकात से मन प्रसन्न होगा।

कर्क राशि : करियरः करियर में अस्थिरता रह सकती है, संयम से काम लें। बिजनेसः साझेदारी में कार्य करते समय सतर्क रहें ।धनः आर्थिक स्थिति डगमगा सकती है, खर्चों पर नियंत्रण रखें ।शिक्षाः पढ़ाई में रुचि कम हो सकती है। लव/ पारिवारिकः पारिवारिक तनाव से बचें, सकारात्मक संवाद करें।

सिंह राशिः करियरः कार्य में भागदौड़ रहेगी, परिणाम अच्छे मिलेंगे। बिजनेसः व्यापार में लाभ संभव है, नई डील हो सकती है ।धनः अच्छा लाभ मिल सकता है, खर्च सोच-समझकर करें। शिक्षाः नई चीजें सीखने का अवसर मिलेगा। लव/पारिवारिकः परिवार से सहयोग मिलेगा, नई वस्तु की खरीदारी संभव।

कन्या राशि : करियरः जिम्मेदारियों में वृद्धि हो सकती है, सतर्क रहें। बिजनेसः किसी पर आंख बंद करके भरोसा न करें। धनः आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है, सोच-समझकर खर्च करें।

शिक्षाः ध्यान भटकेगा, पढ़ाई में मन लगाने का प्रयास करें। लव/पारिवारिकः वरिष्ठों की सलाह को अनदेखा न करें।

तुला राशि : करियरः कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारी मिल सकती है ।बिजनेसः सावधानी से कार्य करें, कोई बड़ा निर्णय न लें ।धनः फिजूल खर्ची से बचें, बजट बनाकर चलें। लव/पारिवारिकः पिताजी की सेहत का ध्यान रखें ।उपायः किसी कन्या को मिठाई खिलाएं।

वृश्चिक राशिः करियरः स्थिरता बनाए रखें, जल्दबाजी में बदलाव न करें। बिजनेसः साझेदारी में कार्य शुरू करने से बचें। धनः उधार देने से बचें, धन अटक सकता है ।शिक्षाः पढ़ाई में मन कम लग सकता है।

धनु राशिः करियरः कार्यक्षेत्र में प्रसन्नता मिलेगी, सकारात्मक सोच रखें ।बिजनेसः नया व्यवसाय शुरू करने के लिए समय उत्तम है ।धनः योजना से लाभ मिल सकता है ।शिक्षाः कोई महत्वपूर्ण रिजल्ट आपको खुशी देगा। लव/पारिवारिकः जीवनसाथी संग वाद-विवाद समाप्त होगा।

मकर राशि : करियरः कार्य में उत्साह रहेगा, नई प्रेरणा मिल सकती है। बिजनेसः निवेश के लिए दिन उत्तम है। धनः अचानक खर्चों की संभावना है। शिक्षाः पढ़ाई में रुकावटें संभव हैं, फोकस बनाए रखें।

कुंभ राशिः करियरः रुके कार्य पूरे होंगे, आत्मविश्वास बढ़ेगा। बिजनेसः नई साझेदारी लाभदायक रहेगी ।धनः घर में खुशी का माहौल रहेगा, खर्च संतुलित रखें ।शिक्षाः नई जानकारी से लाभ होगा। लव/पारिवारिकः भाई-बहनों से संबंध सुधरेंगे उपायः कुँवारी कन्या को उपहार दें।

मीन राशिः करियरः कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव संभव, सतर्क रहें ।बिजनेसः बड़ा ऑफर हाथ से निकल सकता है। धनः वित्तीय अनिश्चितता हो सकती है, बचत जरूरी ।शिक्षाः परीक्षा परिणाम शुभ हो सकता है ।लव/पारिवारिकः माता से वाद-विवाद हो सकता है, संयम रखें।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

केरल से कुछ सीखें अन्य सरकारें, मजहबी मान्यताओं के ठेकेदारों पर लगाम जरूरी

> **यह सही है कि इससे संबंधित व्यापक अनुभव एवं आंकड़े उपयोगी होंगे लेकिन नीतियों को लागू करने का मामला किसी की मनमानी के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। तमाम वैज्ञानिक साक्ष्य यही पुष्ट करते हैं कि नियमित एरोबिक एक्सरसाइज व्यक्ति को अच्छा महसूस कराने में कारगर साबित होती है।**

पा छात्रों की सेहत और सकारात्मकता से जुड़ी केरल शिक्षा विभाग की जुंबा जैसी पहल बहुत सराहनीय है। ऐसी पहल की लंबे समय से प्रतीक्षा थी। एक्सरसाइज यानी किसी प्रकार की कसरत सरीखी गतिविधि तनाव बढ़ाने वाले कार्टिसोल जैसे हार्मोन को घटाने में बड़ी मददगार होती है। तनाव बढ़ने पर ही अक्सर बच्चे और किशोर नशाखोरी की गिरफ्त में आ जाते हैं। ऐसे में संगीत की थाप पर चलने वाली जुंबा जैसी गतिविधि बहुत उपयोगी प्रतीत होती है। यह बच्चों एवं किशोरों को किसी भौतिक सजा के बजाय आनंद की अधिक अनुभूति कराती है। राज्य में बीते दो वर्षों के दौरान नाबालिगों में नशाखोरी से जुड़े मामले बढ़े हैं, उसे देखते हुए एक अनुभव आधारित व्यावहारिक समाधान की आवश्यकता महसूस हो रही है, जिसे हर कक्षा में सहजता से लागू किया जा सके। हर अच्छी पहल में खलल डालने के लिए कुछ विघ्नसंतोषी सदैव सक्रिय रहते हैं। जुंबा डांस मामले में भी ऐसा ही हुआ और विजडम इस्लामिक आगेर्नाइजेशन नाम की संस्था इसके विरोध में उतर आई। संस्था के महासचिव टीके अशरफ ने जुंबा को डीजे शैली वाला बताते हुए कहा कि इसमें लड़के-लड़कियां अधनंगे होकर नाचते हैं। एक अन्य संगठन-समस्ता से जुड़े मौलवियों ने भी उनके सुर में सुर मिलाते हुए

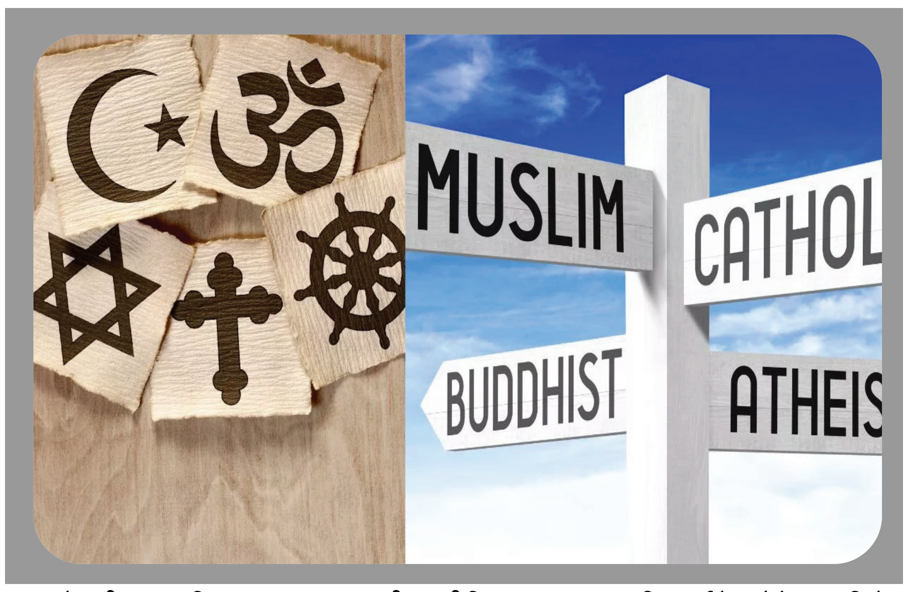

जुंबा को अश्लील करार दिया। इस चौंकाने वाली आलोचना का सरोकार इस शैली या सार्वजनिक स्वास्थ्य से न होकर हया जैसी इस्लामिक मान्यता से कहीं ज्यादा था ।जब ऐसी मजहबी दलीलों का मजाक बनाया जाने लगा तो विरोध करने वालों ने स्वर बदलते हुए इस मामले में परामर्श और दीर्घकालिक अध्ययन की दुहाई देनी शुरू कर दी। यह और कुछ नहीं अपनी मूल मंशा को छिपाने के लिए गोलपोस्ट बदलने जैसा था, जिसमें कथित नैतिक आग्रह जुड़े हुए थे ।यह धारणा मुझे स्वीकार्य नहीं कि पाठ्यक्रम में किसी भी प्रकार के परिवर्तन को लेकर एक निर्वाचित सरकार मजहबी मान्यताओं के ठेकेदारों की अनुमति पर निर्भर होकर रह जाए। इससे पंथनिरपेक्षता की पूरी संकल्पना ही विकृत हो जाएगी। इससे न केवल धार्मिक-मजहबी मामलों से राज्य को दूर रखने के सिद्धांत को ठेस पहुंचेगी, बल्कि वह नीति भी वैधता प्राप्त करती जाएगी कि जब तक मजहबी ठेकेदार हरी झंडी नहीं दिखाएंगे, तब तक कोई नीति सिरे नहीं चढ़ पाएगी। किसी हिंदू, ईसाई या पंथनिरपेक्ष सांस्कृतिक संगठन ने जुंबा का विरोध नहीं किया। आम तौर पर कट्टर समझे जाने वाले मुस्लिम संगठन ने ही ऐसा किया। धार्मिक-मजहबी प्रविधान निजी संस्थाओं के दायरे में तो स्वीकार्य हो सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक स्कूलों में उन्हें चीजों को निर्धारित करने की निर्णायक शक्ति नहीं दी जा सकती। यह आरोप भी गले नहीं उतरता कि जुंबा की लैटिन अमेरिकी जड़ें सांस्कृतिक आक्रमण करती हैं। देखा जाए तो केरल में इस्लाम का आगमन ही समुद्री मार्ग से हुआ। जिन्हें फिटनेस से जुड़ी एक विदेशी पद्धति अपनाने में खोट दिखता है, उन्हें आयातित मजहब, स्मार्टफोन और खाड़ी से आने वाले चेक स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं दिखता। यह भी गजब की बौद्धिक कलाबाजी है। यदि वाकई में बच्चों के समग्र हितों को प्राथमिकता देनी है तो रूढ़िवादी समूहों को तत्काल साफ-सफाई शुरू करनी होगी ।केरल की मस्जिदों में मी टू यानी यौन शोषण के मामले चर्चित हुए हैं। हज और उमरा के दौरान भी ऐसे आरोप सुनाई पड़े। केरल की अदालतों ने मदरसा शिक्षकों को यौन शोषण के मामलों में सजा भी सुनाई है। इसके बावजूद एक फिटनेस गतिविधि का विरोध किया जा रहा है और मजहबी स्थलों में हो रहे अपराधों पर चुप्पी साधी जा रही है। यह नैतिक उलटबांसी को ही उजागर करता है। जुंबा को लेकर वाम नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार की दृढ़ता सराहनीय है। मंत्रियों ने दो-टूक कहा कि बाहरी तत्व नीतियों को निर्धारित नहीं कर सकते। जुंबा आलोचकों को आड़े हाथों लेकर यह भी कहते हुए सुना गया कि तालिबानी मानसिकता वाले लोग उस राज्य में अपनी पैठ मजबूत करना चाहते हैं, जो अपनी उच्च साक्षरता एवं सामाजिक सूचकांकों पर गर्व करता है। यह भाषा भले ही थोड़ी तीखी हो, लेकिन तुलना उपयुक्त है। तिलमिलाए आलोचक अब विशेष रूप से नशे से दूर रखने में जुंबा की उपयोगिता साबित करने वाले अध्ययनों पर जोर दे रहे हैं। यह सही है कि इससे संबंधित व्यापक अनुभव एवं आंकड़े उपयोगी होंगे, लेकिन नीतियों को लागू करने का मामला किसी की मनमानी के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। तमाम वैज्ञानिक साक्ष्य यही पुष्ट करते हैं कि नियमित एरोबिक एक्सरसाइज व्यक्ति को अच्छा महसूस कराने में कारगर साबित होती है। अगर कट्टरपंथियों को नशामुक्ति के और कुछ अन्य उपाय प्रभावी लगते हैं तो वे अपने संस्थानों में उन्हें आजमाने एवं उनके साक्ष्य दर्शाने के लिए स्वतंत्र हैं। तब तक जुंबा के प्रभाव और उसकी उपयोगिता को लेकर उनके सवाल कुछ और नहीं, बल्कि इसे टालने की तिकड़म ही अधिक लगेंगे ।जुंबा को लेकर व्यापक प्रतिक्रिया दर्शाती है कि इसे हाथोंहाथ लिया जा रहा है। केरल में कई जिलों में अभिभावक बच्चों को जुंबा सत्रों में भेजने के लिए तत्परता दिखा रहे हैं। तमाम आनलाइन सर्वे में भी इस पहल को व्यापक समर्थन मिला है। समाज ने इस पर अपनी मुहर लगा दी है। यह एक प्रकार की लोकतांत्रिक प्रतिरोधक प्रतिक्रिया है, जो इसी तरह व्यक्त की जानी चाहिए

ब्रिक्स में भारत का बढ़ता वर्चस्व संतुलित दुनिया का आधार

ललित गर्ग

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा सत्र में कहा कि पहलगाम में हुआ ह्यकायरतापूर्णह्ण आतंकवादी हमला भारत की ह्यआत्मा, पहचान और गरिमाह्ण पर सीधा हमला है। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका- ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है। ब्रिक्स एक ऐसा बहुपक्षीय मंच है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग, वैश्विक विकास और सामूहिक सुरक्षा की भावना को बल देता है। ब्रिक्स समिट काफी सफल एवं निर्णायक रहा है ।ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है। इन शक्तिसम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये। ब्रिक्स देशों के इस सम्मेलन में एक विशेष बिंदु जो उभरकर सामने आया वह था- अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का बदलता स्वरूप और इसके कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से यह रेखांकित किया कि आतंकवाद अब किसी एक राष्ट्र की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक वैश्विक संकट बन चुका है। उन्होंने कश्मीर में हो रहे आतंकवादी हमलों, पाकिस्तान समर्थित गतिविधियों और भारत की सीमाओं पर हो रही हिंसक घटनाओं को उदाहरण के रूप में सामने रखा। मोदी ने ब्रिक्स मंच से यह भी स्पष्ट किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जब आतंक का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल होता है, तो वह मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाता है ।भारत ने लंबे समय से कॉम्प्रेहेंसिव कॉन्वेंशन ऑन इन्टरनेशनल टेरिजम्स (सीसीआईटी) की पैरवी की है। इस बार ब्रिक्स मंच पर मोदी ने इस प्रस्ताव को फिर से प्रमुखता से उठाया और एक साझा परिभाषा व वैश्विक नीति की मांग की ताकि आतंकवादियों को सुरक्षा और राजनीतिक सहारा न मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी सुझाव दिया कि ब्रिक्स को एक साझा आतंकवाद निरोधी तंत्र बनाना चाहिए, जो सूचनाओं का आदान-प्रदान, निगरानी तंत्र और आतंक के वित्तपोषण को रोकने में सहयोग करे। भारत ने इस बार पाकिस्तान का नाम लिए बिना यह सिद्ध किया कि कश्मीर में आतंकवाद एक स्थानीय असंतोष नहीं, बल्कि बाहरी प्रायोजित आतंक है। ब्रिक्स देशों, विशेषकर रूस और ब्राजील ने इस बात को स्वीकारा कि कश्मीर में फैले आतंकवाद पर चिंता जायज है और उन्होंने भारत के दृष्टिकोण का समर्थन किया। यह कूटनीतिक जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व कौशल को रेखांकित करती है। उन्होंने न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एक नैतिक और व्यावहारिक आधार भी प्रस्तुत किया।

भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करने जा रहा है। यह भारत के लिए भविष्य को गढ़ने का एक सुनहरा अवसर है। भारत अब न केवल आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि ब्रिक्स एक न्यायसंगत, सुरक्षित और आतंकवादमुक्त विश्व के निर्माण की दिशा में कार्य करे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका न केवल आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक स्वरूप में दिखाई दी, बल्कि यह भी स्पष्ट हुआ कि भारत अब एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में उभर चुका है। नरेंद्र मोदी ने जिस सूझबूझ, तर्कशक्ति और साहस के साथ कश्मीर मुद्दे को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया, वह भारत की कूटनीति के नए युग की शुरूआत है। आगामी वर्ष में जब भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा, तब यह विश्वास किया जा सकता है कि न केवल भारत, बल्कि समूचा विश्व भारत की नीति, नैतिक दृष्टि और नेतृत्व क्षमता का सम्मान करेगा। इस मंच से भारत केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि मानवता, शांति और न्याय की नई इबारत लिखेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई उन्होंने कहा कि आज दुनिया को एक बहुध्रुवीय और समावेशी व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरूआत वैश्विक संस्थाओं में बदलाव से करनी होगी। मोदी ने कहा, बीसवीं सदी में बनाई गई वैश्विक संस्थाएं इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होती।

बीसवीं सदी के टाइपराइटर इक्कीसवीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते। प्रधानमंत्री ने कहा, ग्लोबल साउथ के देश अक्सर डबल स्टैंडर्ड का शिकार रहे हैं। चाहे विकास हो, संसाधनों की बात हो, या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई है। इनके बिना, वैश्विक संस्थाएं ऐसे मोबाइल की तरह हैं, जिसमें सिम कार्ड तो है लेकिन नेटवर्क नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान ज्यादा है, उन्हें फैसले लेने का हक नहीं है। यह सिर्फ प्रतिनिधित्व का नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी सवाल है।

भाषा और जातीय सोच का कुरूप चेहरा

(डॉ.सुधाकर आशावादी)

मराठी मानुष के नाम पर हिंदी भाषा भाषियों के साथ अभद्रता, उत्तर प्रदेश में जाति के नाम पर घृणा और द्वेष उत्पन्न करने का निकृष्ट खेल यही जताने में समर्थ प्रतीत होता है कि जब खानदानी विरासत में मिली राजनीति को उत्तराधिकारी संभाल नहीं पाते, तब सत्ता सुख से वंचित होते ही वे सत्ता की चाहत हेतु छटपटाने लगते हैं तथा जनता द्वारा नकारे जाने के बाद भी येन केन प्रकारेन सत्ता हथियाने की फिराक में लग जाते हैं। भले ही इसके लिए उन्हें जातीय विघटनकारी चालें चलनी पड़ें या भाषा का विवाद उत्पन्न करके समाज को बाँटने का षड्यंत्र रचना पड़े। मुंबई महाराष्ट्र में हाशिए पर चली गई शिव सेना तथा अपने अलग तेवर के लिए कुख्यात महाराष्ट्र नव निर्माण सेना अपने मूल उद्देश्य से भटक कर बाला साहेब ठाकरे की नीतियों के विरुद्ध जाकर जिस प्रकार से महाराष्ट्र में अराजकता का नंगा नाच कर रही है, वह किसी से छिपा नही है। मराठी मानस के नाम से महाराष्ट्र में गैर मराठी भाषा भाषियों के साथ दुर्व्यवहार कर रही है तथा गैर मराठी भाषा भाषियों के प्रति भी अपना दोहरा चरित्र दर्शा रही है। उससे लगता है कि इन दोनों दलों का सर्वनाश सुनिश्चित है। देश भर के गैर मराठी भाषा भाषी कलाकारों के आलीशान महलों पर टेढ़ी नजर डालने की इनकी हिम्मत नहीं होती तथा गैर सनातनी आबादियों में गैर हिंदुओं के विरुद्ध भाषा के नाम पर मुँह खोलने में इन्हें अपना राजनीतिक नुकसान दिखाई देता है, सो ये केवल उत्तर भारतीयों, बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के रोजी रोटी की तलाश में महाराष्ट्र में रहने वाले हिंदी भाषा भाषियों पर हमले करके अपनी कायरता का परिचय देने तक सीमित रहते हैं। बहरहाल संकीर्ण कायरता पूर्ण राजनीति का इससे बड़ा उदाहरण और कोई नहीं हो सकता। विचारणीय है कि मराठी अस्मिता की दुहाई देते हुए मनसे और शिव सेना ये क्यों भूल जाते हैं, कि जिस प्रकार उत्तर और मध्य भारत के श्रमिक महाराष्ट्र में आजीविका कमा रहे हैं, उसी प्रकार उत्तर व मध्य भारत में महाराष्ट्र के मराठी मानुष भी अपनी आजीविका कमा रहे हैं। यदि उन क्षेत्रों में भाषा के नाम पर मराठी मानुषों के साथ भी अभद्रता की जाए, तब क्या वे ऐसी अभद्रता का सम्मान करेंगे ? विगत दिनों बैंगलोर में भी एक बैंक अधिकारी को भाषा के नाम पर विवाद का शिकार बनाया गया। ऐसा अक्सर भारत में ही नही अपितु विश्व भर में अपना विशेष स्थान रखने वाली हिंदी भाषा भाषियों के साथ ही हो रहा है। यही नहीं उत्तर प्रदेश और बिहार आजकल जातीय विघटन के क्षेत्र में प्रयोगशाला बने हुए है। एक जाति के समर्थन में जातिवादी समाजवादी पार्टी जाति संघर्ष को हवा दे रही है, जबकि यदि इनकी जाति के लोग अगड़ों और दलितों पर अत्याचार करते हैं, तब यह विघटन कारी दल मौन धारण कर लेता है। दोगले पन का इससे निकृष्ट उदाहरण भी कहीं अन्यत्र नहीं मिल सकता। विडम्बना यह भी है कि विपक्ष के नाम पर जूतों में बंटी दाल की तरह वंश वादी राजनीतिक दलों के इंडी गठबंधन को अपने ही गठबंधन के दलों की इन विघटन कारी हरकतों पर कोई लज्जा नहीं आती। बात बात पर देश के संविधान को खतरे में बताने वाली कांग्रेस, तृण मूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल भी इस भाषायी विवाद पर चुप्पी साधे हुए हैं, इसका आशय क्या यह नहीं लगाया जाना चाहिए कि समूचा इंडी गठबंधन ही इन विघटनकारी कृत्यों की पीठ थपथपा कर देश में अराजकता और अशांति फैलाने में मुख्य भूमिका निभा रहा है। विचारणीय बिंदु यह भी है कि आखिर कब तक भारत का जनमानस क्षेत्र, भाषा और जाति के नाम पर विघटन कारी तत्वों के षड्यंत्रों का शिकार होता रहेगा?

अपनी माँगों के समर्थन में सर्वशिक्षा अभियान पर शिक्षकों का धरना

भारत संवाद

प्रयागराज। दिनांक 08/07/2025को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ प्रयागराज द्वारा सर्वशिक्षा अभियान कार्यालय प्रयागराज पर जिला अध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव की अध्यक्षता में अपनी मांगों के समर्थन व सरकार तानशाही पूर्ण रवैए के खिलाफ जनपद के विभिन्न ब्लाकों से हजारों शिक्षक-शिक्षिकाएँ धरनें में शामिल हुए। विद्यालय के मर्जर ज्ञात हो 150 से कम संख्या वाले प्राथमिक विद्यालय और 100से कम संख्या वाले विद्यालय में प्रधानाध्यापक का समाप्त करने और हजारों प्रधानाध्यापक को सरप्लस घोषित करने के विरोध में साथ ही शिक्षा मित्र अनुदेशक और रसोइया के पद समाप्त करने के विरोध में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष देवेन्द्र श्रीवास्तव जिला मंत्री शिवबहादुर सिंह जिला कोषाध्यक्ष मनीष तिवारी मसूद अहमद राजेन्द्र कनौजिया राधे

कृष्ण बालेंद्र पाण्डेय विनीत सिंह यादव अश्वनी कुमार वर्मा दीप नारायण सिंह दीपक मौर्य अरविंद राम लाल रिशांक कुशवाहा धीरेन्द्र श्रद्धा सिन्हा श्रीवास्तव दुर्गेश केसरवानी फूल चन्द्र पटेल पंकज सिंह कृष्ण कान्त कुशवाहा कमल पाल अखिलेश यादव मनीष सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

75 जिलों में प्राथमिक शिक्षकों का विरोध प्रदर्शन

मर्जर नीति और ओपीएस समेत कई मांगों को लेकर सीएम को संबोधित दिया ज्ञापन

भारत संवाद

प्रयागराज, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर मंगलवार को जिले भर से हजारों शिक्षकों ने सर्वशिक्षा अभियान कार्यालय प्रयागराज पर धरना प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित इस धरने में जिले के सभी ब्लॉकों से शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए। धरना प्रदेश नेतृत्व के उस आंदोलनात्मक कार्यक्रम का हिस्सा था, जिसके तहत सरकार द्वारा विद्यालयों के मर्जर, 150 से कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालयों और 100 से कम छात्र संख्या वाले उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक पदों को समाप्त करने जैसे निर्णयों के खिलाफ आवाज बुलंद की गई। धरने में बोलते हुए जिलाध्यक्ष श्री श्रीवास्तव ने कहा- सरकार की मर्जर नीति परिषदीय शिक्षा प्रणाली को

बबार्दी की ओर ले जा रही है। इससे न सिर्फ छात्रों को अपने घर से दूर पढ़ने जाना पड़ेगा, बल्कि हजारों रसोइयों की सेवाएं भी समाप्त हो जाएंगी। शिक्षकों के लंबे समय से लंबित मुद्दों को भी नजरअंदाज किया जा रहा है, जिनमें पुरानी पेंशन योजना , कैशलेस मेडिकल सुविधा, मृतक आश्रितों की नियुक्ति, पदोन्नति, बीएलओ ड्यूटी से मुक्ति, ग्रीष्मकालीन स्कूल समय का परिवर्तन और प्रोन्नत वेतनमान जैसी मांगें शामिल हैं। 10 सूत्रीय मांग पत्र डीएम को सौंपा धरना के अंत में एक 10 सूत्रीय मांग पत्र जिलाधिकारी के प्रतिनिधि को सौंपा गया, जिसमें माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित करते हुए आग्रह किया गया कि मर्जर की प्रक्रिया को तुरंत रोका जाए और प्राथमिक शिक्षा से जुड़े कर्मचारियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। धरने में शिक्षक नेताओं के साथ जनप्रतिनिधि, माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधि, शिक्षामित्र, अनुदेशक और अन्य कर्मचारी संगठनों के लोग भी उपस्थित रहे। संघ की चेतावनी है कि यदि सरकार ने शीघ्र ही इस विषय पर कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं की, तो आगामी दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा और जनपद प्रयागराज प्रदेश नेतृत्व के हर निर्णय में अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहेगा।

फास्ट ट्रैक

थाना को0देहात पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना को0देहात पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः08.07.2025 को उप-निरीक्षक भरतलाल पाण्डेय मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी दिनेश कुमार सिंह पुत्र उमाशंकर सिंह निवासी नकहरा नई बस्ती थाना को0देहात जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना ड्रमण्डगंज पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना ड्रमण्डगंज पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः08.07.2025 को उप-निरीक्षक मनसुख लाल यादव मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी रविशंकर पुत्र श्यामलाल निवासी बंजारी कला थाना ड्रमण्डगंज जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना विन्ध्याचल, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः07.07.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की पुत्री को बहला-फुसलाकर कर भगा ले जाने तथा वादी द्वारा अभियुक्त के घर जाकर इस बारें में पूछने पर गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना विन्ध्याचल पर मु0अ0सं0-225/2025 धारा 137(2),352,351(3) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष विन्ध्याचल को अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः08.07.2025 को उप-निरीक्षक रोहिणी कुमार शुक्ला मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्रान्तर्गत नौगांव हाटपैट के पास से नामजद अभियुक्त आजाद निषाद पुत्र श्यामधर निषाद निवासी नौगांव थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना को0देहात पुलिस द्वारा लोक शांति भंग करने व आगजनी की घटना के अभियोग से सम्बन्धित 05 नफर अभियुक्त/अभियुक्ता गिरफ्तार

ज्ञातव्य हो कि दिनांकः18.06.2025 को थाना कोतवाली देहात क्षेत्रान्तर्गत अहमलपुर में पिकअप से वाहन दुर्घटना में एक बच्चे की मृत्यु हो गई थी, इसके बाद पिकअप को पकड़ लिया गया ।जिसके संबंध में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही किया गया ।उक्त घटना से क्षुब्ध होकर मृत बच्चे के परिवार जनों द्वारा आरोपी के गांव में छोटी सी झोपड़ी एवं भूसे के कमरे में आग लगा दिया गया ।जिसके सम्बन्ध में दिनांकः19.06.2025 को वादिनी रोमी पत्नी महेन्द्र यादव निवासी अहमलपुर थाना को0देहात जनपद मीरजापुर की प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0देहात पर मु0अ0सं0-265/2025 धारा 326(I),352,351(2),3(5) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक को0देहात को सम्बन्धित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः08.07.2025 को निरीक्षक राकेश राय, उप-निरीक्षक शिवजी यादव व भरतलाल पाण्डेय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना को0देहात क्षेत्रान्तर्गत अहमलपुर गांव से 05 नफर अभियुक्त/अभियुक्ता सोनू पुत्र स्व0जगत प्रकाश देव।

बाल विकास की दिशा में उत्तर मध्य रेलवे की अभिनव पहल

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा रेलगॉव कॉलोनी, सूबेदारगंज में प्ले स्कूल 'प्रयाग पेटल्स' का शुभारंभ

- उत्तर मध्य रेलवे का अभिनव शैक्षिक प्रयास – प्रयाग पेटल्स प्ले स्कूल का हुआ शुभारंभ
- नन्हे बच्चों के लिए उत्तर मध्य रेलवे की सौगात – प्रयाग पेटल्स प्ले स्कूल

भारत संवाद

हर विकसित समाज की बुनियाद एक मजबूत बचपन से होती है, और जब बचपन को सही दिशा, संरक्षण और शिक्षा मिले, तो वह समाज के उज्ज्वल कल की आधारशिला बनता है। इसी विश्वास को आधार बनाते हुए उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, मुख्यालय द्वारा दिनांक 07 जुलाई 2025 को रेलगॉव कॉलोनी, सूबेदारगंज में प्रयाग पेटल्स प्ले स्कूल की उद्घाटन किया गया। रेलगॉव कॉलोनी वह स्थान है जहा उत्तर मध्य रेलवे के अनेक अधिकारी व कर्मचारी परिवार सहित निवास करते हैं। इस क्षेत्र में लंबे समय से एक ऐसे प्ले स्कूल की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जो छोटे बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा के साथ-साथ एक रचनात्मक, सुरक्षित और स्नेहपूर्ण वातावरण प्रदान कर सके। इसी आवश्यकता को संगठन की अध्यक्षा श्रीमती चेतना जोशी ने गंभीरता से संज्ञान में लिया और 2 से 4 वर्ष की आयु के बच्चों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से इस विचार को साकार रूप दिया।वातानुकूलित कक्ष, सीसीटीवी निगरानी, ऑडियो-विजुअल शिक्षण, सुरक्षित खेल क्षेत्र व न्यूनतम शुल्क जैसी सुविधाओं से युक्त यह विद्यालय बच्चों को एक समग्र, आधुनिक और सुरक्षित शिक्षा परिवेश प्रदान करेगा।इस अभिनव पहल में संगठन की सचिव श्रीमती ऋचा वर्मा, सदस्या श्रीमती एस. उमा सहित संगठन की अन्य सदस्याओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिन्होंने अपनी सक्रिय सहभागिता से इस प्रयास को साकार रूप देने में सहयोग किया। यह पहल नन्हे सपनों को सहेजने की दिशा में उत्तर मध्य रेलवे का एक प्रेरणादायक कदम है।

केंद्रीय चिकित्सालय में चिकित्सा सेवा में आध्यात्मिक विचारों की भूमिका पर सेमिनार का आयोजन

भारत संवाद

रेल कर्मियों को बेहतर चिकित्सा सेवा देने के उद्देश्य से आज दिनांक 8 जुलाई 2025 को चिकित्सा निदेशक डॉ. एस. के. हण्डू की अध्यक्षता में चिकित्सा सेवा में आध्यात्मिक विचारों की भूमिका पर केंद्रीय चिकित्सालय उत्तर मध्य रेलवे में एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टॉफ ने उत्साह से भाग लिया।

मुख्य अतिथि श्री शेषनाथ पुष्कर भूतपूर्व राजभाषा अधिकारी, प्रयागराज मंडल ने अपनी संबोधन में कहा कि यह संसार विचारों से ही चलता है विचारों से ही संचालित होता है, विचार व्यक्ति को जिस दिशा में ले जाते हैं वह उसी दिशा में जाता है। आध्यात्मिक विचार, विचारों में श्रेष्ठ होते हैं और व्यक्ति को सही दिशा में ले जाते हैं।

यह विचार व्यक्ति के मस्तिष्क में अच्छी भावनाओं जैसे समानता की भावना, प्रेम की भावना सेवा और सहयोग की भावना का विकास करते हैं। यह विचार बुरी भावनाओं जैसे असमानता की भावना, नफरत की भावना, असहयोग की भावना, बदले और दुश्मनी की भावना को रोकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमारे देश में जितने भी महापुरुष और संत हुए हैं सभी ने समाज को अध्यात्मिक विचार ही दिए हैं। यदि हम उनके विचारों पर चलें तो हम अच्छा इंसान बन सकते हैं और हर क्षेत्र में चाहे वह चिकित्सा हो या इंजीनियरिंग हो या परिचालन हो अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं

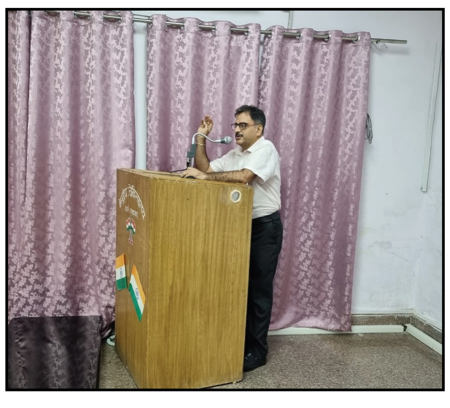

क्योंकि एक अच्छा इंसान हर एक काम अच्छा करता है।

उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक विचार मानता है कि इंसान से बड़ा कोई नहीं और इंसानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं और जो डॉक्टर इस विचार पर चलेगा वह बेहतर काम करेगा।

डॉ एस. के. हंडू ने अपने संबोधन में कहा कि आध्यात्मिक विचार व्यक्ति को सही और गलत की पहचान करने में सहयोग करते हैं। अच्छा विचार और अच्छी भावना की मदद से एक डॉक्टर सहानुभूति से मरीज का इलाज करता है। आध्यात्मिक विचारों में युक्त डॉक्टर खुशी और प्रेम से मरीजों की सेवा करता है और मरीज जल्दी ठीक हो जाते हैं।उन्होंने आगे कहा कि आशा ही नहीं पूरा विश्वास है कि आप लोग आज के सेमिनार से लाभलेंगे और पहले से बेहतर सेवा मरीज को देंगे।

राम नाथ कोविंद भारत के पूर्व राष्ट्रपति ने प्रख्यात भारतीय वैज्ञानिक अजय कुमार सोनकर को कहा वैज्ञानिक क्षेत्र में इनका अग्रणी शोध देश का गौरव

भारत संवाद

आज मुझे पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सोनकर से मिलने का सौभाग्य मिला, जिनके विविध वैज्ञानिक क्षेत्रों में अग्रणी शोध हमारे देश को गौरव दिला रहे हैं। हमारी बातचीत के दौरान, डॉ. सोनकर ने प्रकृति की सूक्ष्मजीवी बुद्धिमत्ता पर अपने नवीनतम निष्कर्षों को साझा किया, विशेष रूप से गंगा नदी की स्व-उपचार क्षमता पर उनके अभूतपूर्व अध्ययन। उनका काम मानव स्वास्थ्य और लचीलेपन में सूक्ष्मजीवी पारिस्थितिकी प्रणालियों की भूमिका पर एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रदान करता है। उन्होंने बहुत ही शानदार ढंग से प्रदर्शित किया है कि कैसे अति-स्वच्छ जीवनशैली, जो तेजी से आधुनिकीकरण का एक उपोत्पाद है, ने हमें प्रकृति की सूक्ष्मजीवी विरासत से अलग कर दिया है और हमारी अनुकूली प्रतिरक्षा को कमजोर कर दिया है - एक ऐसी घटना जिसे वे सटीक रूप से सूक्ष्मजीवी भूलने की बीमारी के रूप में वर्णित करते हैं।उनका शोध समय पर याद दिलाता है कि मानवता की स्थायी भलाई हमारी हवा, मिट्टी और पानी की अखंडता से अविभाज्य है। गंगा के प्रति चिरस्थायी श्रद्धा का वैज्ञानिक रूप से अन्वेषण करके, उन्होंने इस बात के प्रमाण प्रस्तुत किए हैं कि सांस्कृतिक परंपराएँ अक्सर पारिस्थितिक ज्ञान को मूर्त रूप देती हैं, जिसे आधुनिक समाज अनदेखा कर देता है।मैं डॉ. सोनकर की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता से विशेष रूप से प्रभावित हूँ, चाहे वह अंडमान द्वीप समूह में पर्यावरण समर्थक मोती की खेती में उनके पहले के अग्रणी कार्य के माध्यम से हो, ऊतक संवर्धन और कोशिका जीव विज्ञान में उनकी प्रगति के माध्यम से हो, या हमारे प्राकृतिक सूक्ष्मजीव सहयोगियों के प्रति सम्मान को फिर से जगाने के उनके वर्तमान प्रयासों के माध्यम से हो।

कार्यकताओं ने किया पौधारोपण ,पुनर्प्राप्ति जन्मोत्सव सेवा सप्ताह

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी के पुर्नप्राप्त जन्मोत्सव 12 जुलाई के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सेवा सप्ताह के तहत मंगलवार को प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के पांचों मंडल में पौधारोपण का आयोजन किया गया। कार्यकताओं एवं समर्थकों ने मीरापुर मंडल, चौक मंडल, मुट्ठीगंज मंडल,

कीडगंज मंडल और और नैनी मण्डल के अलग अलग स्थानों पर पौधारोपण किया। कार्यकताओं ने अमरूद, आम, नीम और पीपल के पौधे लगाए। बुधवार को प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र में स्थित अस्पतालों, वृद्धाश्रम एवं कुष्ठाश्रम में मरीजों व वृद्धजनों को फल एवं अन्य सामग्री वितरित की जाएगी।

अधिकारियों के द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ पारस्परिक सवांद बने रहने से समस्याओ का होगा समाधान -डॉ जयपाल सिंह

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विशेषाधिकार समिति की बैठक कर मण्डल के तीनो जनपदो के अधिकारियों के साथ की गई चर्चा

- सड़को में गड्ढा मुक्ति अभियान में तेजी लाते हुए कराएं कार्य पूर्ण–नहरो की सिल्ट सफाई के दौरान जनप्रतिनिधि को भी ले जाकर कराएं सत्यापन
- सिंचाई बंधु की बैठक कराने एवं कृषि हित के योजनाओं का कराएं प्रचार प्रसार

भारत संवाद

मीरजापुर , उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विशेषाधिकार समिति की बैठक समिति के मा0 सभापति डॉ जयपाल सिंह व्यस्त की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में आहूत की गई। बैठक में समिति के मा0 सदस्य श्रीमती रमा निरंजन, मा0 सदस्य श्री रामतीर्थ सिंघल, मा0 विधायक मझवां श्रीमती सुचिस्मिता मौर्या, मा0 विधायक छानबे श्रीमती रिंकी कोल के अलावा जिलाधिकारी मीरजापुर प्रियंका निरंजन, जिलाधिकारी सोनभद्र बी0एन0 सिंह, जिलाधिकारी भदोही शैलेश कुमार, पुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक मीणा, पुलिस अधीक्षक भदोही, मुख्य विकास अधिकारी मीरजापुर विशाल कुमार, मुख्य विकास अधिकारी भदोही एवं समिति के साथ निजी सचिव सर्वेश कुमार, अनुभाग अधिकारी संजय कुमार, निजी सचिव जितेन्द्र कुमार शर्मा एवं रिपोर्टर अर्चित वाजपेयी, नगर मजिस्ट्रेट विनीत कुमार उपाध्याय व जनपद मीरजापुर, भदोही एवं सोनभद्र के सभी सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें। बैठक में समिति के मा0 सभापति एवं मा0 सदस्यगण के द्वारा तीनो जनपदो के अधिकारियों से 17 बिन्दुओं पर कराएं गए कार्यो के बारे में विस्तृत जानकारी ली। बैठक में मा0 सभापति डॉ जयपाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मण्डल में कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाने एवं जिला/तहसील मुख्यालयों पर आने वाले फरियादियों की जन समस्याओं से जुड़े मामलो पर गम्भीरता पूर्वक प्रभावी कार्यवाही करें।

संरक्षक यात्रा — एक कांवड़, एक पेड का संकल्प ले

कांवड़ यात्रा, पर्यावरण की संरक्षक यात्रा

भारत संवाद

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कांवड यात्रा व श्रावण माह के शुभारम्भ के पहले एक कांवड, एक पेड का आह्वान करते हुये कहा कि कांवड यात्रा को पर्यावरण संरक्षण की यात्रा के उत्सव के रूप में मनाये। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि कांवड़ यात्रा एक अध्यात्मिक साधना है, जिसमें प्रकृति का सान्निध्य मिलता है। यदि इस यात्रा को ग्रीन कांवड़ यात्रा बना दें, प्लास्टिक मुक्त, जल संरक्षण से युक्त, पौधारोपण को समर्पित यात्रा हो तो यह एक सच्चा शिव अभिषेक होगा। ऋतुओं की इस गति में जब धरती हरियाली की चादर ओढ़ती है, आकाश से अमृत-जल बरसती है और नदियाँ कलकल करती हैं, तब आता है श्रावण मास। भारतीय

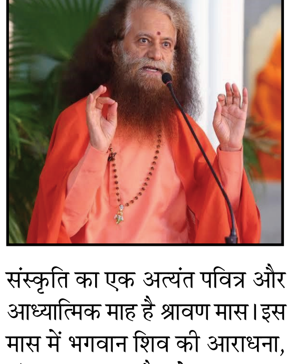

संस्कृति का एक अत्यंत पवित्र और आध्यात्मिक माह है श्रावण मास। इस मास में भगवान शिव की आराधना, संयम, साधना और सेवा का भाव सर्वोपरि रहता है। श्रद्धालु भक्तगण गंगाजल लाकर शिवलिंग का अभिषेक करते हैं और यही भाव एक विराट सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिकता का प्रतीक है। श्रावण, भगवान शिव का अत्यंत प्रिय महीना है। इस माह की प्रत्येक तिथि किसी न किसी धार्मिक, पौराणिक अथवा प्राकृतिक चेतना से जुड़ी है। भगवान शिव को जल अर्पण करने का प्रतीकात्मक भाव, आत्मशुद्धि, तप और समर्पण से जुड़ा है।कांवड़ यात्रा इसी भक्ति का जीता-जागता उत्सव है, जिसमें लाखों श्रद्धालु पैदल चलकर पवित्र नदियों, विशेषकर मां गंगा से जल लेकर अपने गांव, नगर अथवा तीर्थस्थलों पर स्थापित शिवालयों में अभिषेक हेतु जाते हैं तथा उत्तराखंड की पवित्र भूमि, राजाजी नेशनल पार्क में स्थित नीलकंठ मन्दिर में जलाभिषेक करने हेतु आते हैं।यह न केवल आस्था की शक्ति का प्रमाण है, बल्कि भारतीय संस्कृति की जीवंतता, सामूहिकता और समर्पण का भी प्रतीक है।वर्तमान समय में जब जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, नदियों का प्रदूषण और प्लास्टिक संकट जैसी समस्याएँ गहराती जा रही हैं, तब कांवड़ यात्रा केवल आस्था का उत्सव न बनकर, प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा का माध्यम भी बन सकती है। प्लास्टिक मुक्त कांवड़ यात्रा का आह्वान करते हुये स्वामी जी ने कहा कि कावंड़ यात्रा के दौरान कावंडयात्री, यात्रा में प्लास्टिक की बोतलों, थैलियों, और डिस्पोजेबल सामग्री का प्रयोग न करें। इसके स्थान पर मिट्टी के कुल्हड़, कपड़े के थैले और पुनः उपयोग योग्य बोतलों को अपनाएँ ताकि प्रकृति का सम्मान बना रहे।स्वामी जी ने कहा कि गंगाजल लाकर शिवालयों में अभिषेक करना जल संरक्षण व जल के सम्मान का प्रतीक है। साथ ही यह भी स्मरण रखें कि जल अमूल्य है और इसे अपव्यय से बचाना ही सच्चा पूजन है। भगवान शिव को बेलपत्र अर्पित किया जाता है, बेलपत्र, औषधीय पौधा है इसलिये कांवड़ यात्रा की याद में एक पौधा लगाने का संकल्प ले। कांवड यात्रा मार्गों की सफाई, सहयात्रियों की सेवा, और सामूहिक सहयोग शिवभक्ति का सर्वोच्च रूप है।कांवड़ यात्रा, भक्ति की अभिव्यक्ति के साथ भारतीय सांस्कृतिक एकता का दर्पण भी है। इसमें हर वर्ग, हर जाति, हर क्षेत्र के लोग एक समान भाव से जुड़ते हैं। यह भारतीय लोक-आस्था, जनशक्ति और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के माध्यम से शिवत्व को धारण करे। श्रावण मास, जल चढ़ाने के साथ जल धारा व जीवन की धारा को शुद्ध करने का उत्सव भी है। कांवड़ यात्रा केवल आस्था की नहीं, उत्तरदायित्व की यात्रा है। यदि प्रत्येक कांवड़िया यह संकल्प ले कि वह इस यात्रा को प्लास्टिक मुक्त, स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाएगा, तो यह शिव भक्ति के साथ-साथ प्रकृति भक्ति का भी प्रतीक बन जाएगी।

पर्यावरण पंचतत्व यात्रा पूर्ण कर वाटर वुमेन शिप्रा ने मोहन भागवत से दिल्ली में की भेंट

भारत संवाद / लवलेश मिश्र

आज अपनी 6 राज्यों से होकर निकली 32 दिवसीय पर्यावरण पंचतत्व यात्रा के समापन के पश्चात देश की प्रमुख पर्यावरणविद वाटर वुमेन शिप्रा पाठक ने दिल्ली स्थित संघ मुख्यालय झंडे वालान के केशव कुंज पहुंचकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन राव भागवत, सरकार्यवाह दत्ता श्री, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख प्रचारक भैया जी जोशी एवं बजरंग गुप्ता से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया।शिप्रा ने अपनी इस पद यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि इस यात्रा में 31 विश्वविद्यालय के कुलपतियों एवं विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ लाखों युवाओं ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। उन्होंने बताया यात्रा के दौरान ही उनके इस कार्य के लिए छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु

देव सहाय, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं आईआईएम रायपुर ने सम्मानित भी किया।शिप्रा ने बताया उन्होंने आने वाले समय के लिए इन सभी विश्वविधालय से लाखों युवाओं की अलग अलग टीम तैयार की है जो पूरे देश में पर्यावरण प्रहरी के रूप भारत की आने वाली पीढ़ी के लिए पौधे लगाकर वृक्ष बनाकर प्राकृतिक ऑक्सीजन का संग्रह तैयार करेंगें। उन्होंने बताया इस वर्ष के सबसे स्तब्ध करने वाले हादसे ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित कर उन्होंने लगभग 100 स्थानों पर सिंदूर वाटिकाएं बनायी।सरसंघचालक के साथ साथ सभी प्रमुख हस्तियों ने शिप्रा के कार्यों की सराहना करते हुए कहा तुम्हारे जैसा निस्वार्थ पर्यावरण प्रेम ही आने वाले भारत को हरा भरा बनाएगा। उन्होंने कहा कि इस नवचेतना का प्रसार युवाओं के माध्यम से ही हो सकता है।सभी ने शिप्रा के प्रकल्पों को सुनकर उन्हे शुभकामनाएं देते हुआ आशीर्वाद दिया।आपको बताते चलें शिप्रा द्वारा की गई अयोध्या से रामेश्वरम की 4100 किमी की पद यात्रा में भी सरसंघचालक मोहन राव भागवत एवं भैया जी जोशी का आशीर्वाद मिला था।

भारत संवाद

प्रदेश

प्रयागराज , बुधवार , 09 जुलाई, 2025

50 हजार का इनामी बदमाश सुल्तानपुर में गिरफ्तार

एसटीएफ ने अवैध तमंचे के साथ पकड़ा, प्रतापगढ़ के कई मामलों में था वांछित

भारत संवाद

सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने सुल्तानपुर में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। एसटीएफ की टीम ने जयसिंहपुर क्षेत्र के निदुरा अंडरपास से 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है।पकड़े गए आरोपी की पहचान मोहम्मद रुखसार के रूप में हुई है।वह प्रतापगढ़ के थाना कंधई क्षेत्र के पूरे देवजानी का रहने वाला है। आरोपी थाना पट्टी, प्रतापगढ़ में दर्ज मुकदमा संख्या 179/2025 में वांछित था।पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज ने 26 जून 2025 को इस बदमाश पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।एसटीएफ प्रभारी धर्मेश कुमार शाही की टीम ने 7 जुलाई को शाम करीब 7:15 बजे मुखबिर की सूचना पर इसे गिरफ्तार किया।तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा 315 बोर, दो जिंदा कारतूस और 800 रुपये बरामद हुए।इस संबंध में थाने में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई सुल्तानपुर के पुलिस अधीक्षक के निर्देश में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है।एसटीएफ लखनऊ और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने यह सफलता हासिल की।

कांवड़ यात्रा-2025 श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए अंतरराज्यीय समन्वय बैठक सम्पन्न

कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने को लेकर मेरठ में हुई उच्चस्तरीय बैठक

कांवड़ यात्रा के सफल संचालन के लिए मुख्य सचिव एवं डीजीपी की अध्यक्षता में हुई समन्वय बैठक

भारत संवाद

अलीगढ़ ,(सू0वि0): कांवड़ यात्रा-2025 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए मंगलवार को मेरठ कमिश्नरी सभागार में अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह एवं पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कृष्ण ने की। इस उच्चस्तरीय बैठक में विभिन्न राज्यों एवं मंडलों के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि इस बार भी कांवड़ यात्रा को विगत वर्षों की भांति बेहतर समन्वय और प्रभावी व्यवस्थाओं के साथ सम्पन्न कराया जाएगा।उन्होंने स्पष्ट किया कि शिवभक्तों एवं श्रद्धालुओं को किसी भी स्तर पर असुविधा न हो, इसके लिए विभागीय समन्वय, आधारभूत सुविधाएं और सतर्कता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि रेल यात्रा के दौरान छत पर बैठने की मनाही हो, प्लेटफॉर्म अचानक न बदले जाएं, और जीआरपी की सक्रियता बनी रहे। सड़क, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं पुलों की मरम्मत शीघ्र पूर्ण की जाए। विद्युत आपूर्ति निर्बाध रहे, कटौती की पूर्व सूचना हो, और शिविरों में अस्थायी संयोजन के दौरान विद्युत सुरक्षा सुनिश्चित हो। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ढाबों व खाद्य प्रतिष्ठानों पर सफाई, गुणवत्ता व सैनिटाइजेशन के प्रति जागरूकता बढ़ाएं। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर उपस्थित रहकर निरीक्षण करें, जिससे व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान कानून व्यवस्था, यातायात नियंत्रण एवं साइबर निगरानी अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए जिला स्तर पर कांस्टेबलों के लिए संवेदीकरण कार्यशालाएं आयोजित हों। यातायात पुलिस विशेष सतर्कता बरते, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम पर फोकस रहे। डीजे साउंड एवं झांकियों की ऊंचाई-चौड़ाई मानक अनुरूप सुनिश्चित की जाए। सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल सक्रिय हो और भ्रामक खबरों का तत्काल खंडन किया जाए। शिविर स्थलों की सुरक्षा जांच पहले से सुनिश्चित हो।

फास्ट ट्रैक

माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रस्तावित आगमन को लेकर जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

भारत संवाद

अयोध्या (सू0वि0)- माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के प्रस्तावित जनपद दौरे को लेकर आज जिलाधिकारी श्री निखिल टीकाराम फुंडे एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर द्वारा कार्यक्रम स्थल पर एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की रूपरेखा तथा तैयारियों की संक्षिप्त समीक्षा मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों साथ की गई।जिलाधिकारी ने मा० मुख्यमंत्री जी के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधा एवं आपातकालीन सेवाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

कैबिनेट मंत्री श्रीमती बेबी रानी मौर्य 09 जुलाई को शेखा झील पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का करेंगी शुभारंभ

सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों के साथ करेंगी समीक्षा बैठक

भारत संवाद

अलीगढ़ , (सू0वि0): माननीय मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार उत्तर प्रदेश श्रीमती बेबी रानी मौर्य आज मंगलवार की सायं अलीगढ़ पहुंचेंगी।मा0 मंत्री जी की अवस्थान व्यवस्था सर्किट हाउस में की गई है।मा0 मंत्री जी बुधवार 9 जुलाई को प्रातः 9:30 बजे शेखा झील पक्षी विहार पर वृहद वृक्षारोपण अभियान-2025 कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के उपरांत पूर्वान्ह 11:30 बजे सर्किट हाउस सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ सरकार द्वारा संचालित योजनाओं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक करेंगी।मा0 मंत्री जी का कार्यक्रम प्राप्त होते ही जिला प्रशासन समेत वन विभाग वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गया है।

मण्डलीय पेंशन अदालत का आयोजन 29 जुलाई को कमिश्नरी सभागार में पेंशन प्रकरणों की सुनवाई के लिए 15 जुलाई तक प्रस्तुत करें आवेदन

भारत संवाद

अलीगढ़ 08 जुलाई 2025 (सू0वि0): आयुक्त, अलीगढ मण्डल, अलीगढ़ संगीता सिंह की अध्यक्षता में 29 जुलाई को दोपहर 12 बजे से कमिश्नरी सभागार में पेंशन अदालत आयोजित की जाएगी। अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन आगरा मण्डल, आगरा महिमा चंद ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि पेंशन अदालत में अपने-अपने पेंशन प्रकरणों की सुनवाई के लिए पेंशनर एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी निर्धारित प्रारूप पर अपना आवेदन या प्रकरण कार्यालय अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन, आगरा/अलीगढ मण्डल जिलाधिकारी प्रांगण, एम०जी० रोड आगरा स्थित कार्यालय में 15 जुलाई तक दस्ती रूप में अथवा पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित कर सकते हैं। पेंशन अदालत में प्रस्तुत किये जाने वाले आवेदन पत्र का प्रारूप मुख्य, वरिष्ठ कोषाधिकारी अलीगढ़, एटा, हाथरस एवं कासगंज के साथ ही अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन आगरा के कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि पेंशन निदेशालय की वेबसाइट www. Pensiondirectorate. up.nic.in से भी आवेदन पत्र डाउनलोड किया जा सकता है।उन्होंने सभी पेंशनर व सेवानिवृत्त कार्मिकों को पेंशन अदालत के आयोजन का लाभ लेने का आव्हान किया है।

चार दिवसीय खेल प्रतियोगिता शुरू

एथलेटिक्स और बैडमिंटन मुकाबले, भाजयुमो जिलाध्यक्ष ने किया उद्घाटन

सुलतानपुर, पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेल निदेशालय द्वारा आयोजित चार दिवसीय प्रतियोगिता का दूसरा दिन शुरू हुआ। कार्यक्रम में बालक-बालिका एथलेटिक्स और बैडमिंटन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष चंदन नारायण सिंह ने हरी झंडी दिखाकर खेलों का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि सिंह ने कहा कि स्टेडियम के निमार्णाधीन होने से खिलाड़ियों को लंबे समय तक परेशानियों का सामना करना पड़ा। अब स्टेडियम का नया रूप तैयार हो चुका है। उन्होंने युवा जिला क्रीड़ा अधिकारी राजेश सोनकर की सराहना की, जिन्होंने पदभार संभालने के बाद से खिलाड़ियों के हित में निरंतर काम किया है।

गुरु बिन भव निधि तरहि न कोई: स्वामी पूणार्नंदपुरी जी महाराज

भारत संवाद

अलीगढ।वैदिक ज्योतिष संस्थान के तत्वावधान में चल रहे शतचंडी अनुष्ठान के तहत नित्यप्रति देवी की आराधना की जा रही है। संस्थान के अध्यक्ष स्वामी श्री पूणार्नंदपुरी जी महाराज के सानिध्य में आचार्य गौरव शास्त्री,शिवम शास्त्री रवि शास्त्री, ऋषि शास्त्री आदि विद्वान ब्राह्मणों ने मंगलवार प्रातः कालीन बेला में देवी की प्रतिमा का पंचामृत से अभिषेक करवाया और पुष्प से अर्चन कर तर्पण किया।

स्वामी पूणार्नंदपुरी जी महाराज ने इस अवसर पर बताया कि गुप्त साधना और सभी प्रकार के ऐश्वर्य के लिए गुप्त नवरात्रि में पूजा अर्चना की जाती है,इससे व्यक्ति की समस्त बाधाओं का नाश होता है।कल गुरुवार 10 जुलाई को मनाये जाने वाले गुरु पूर्णिमा महोत्सव को लेकर भी स्वामी जी ने बताया कि गुरु पूर्णिमा, पूरे भारत में मनाया जाने वाला महापर्व है,यह कृतज्ञता, श्रद्धा, ज्ञान और बुद्धि के मूल्यों पर जोर देता है और उन्हें बढ़ावा देता है,महर्षि वेदव्यास जी के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है,इसलिए इस दिन को व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं।मान्यता अनुसार इस दिन वेद व्यास जी ने चारों वेदों की रचना की थी।इस बार पूर्णिमा तिथि 10 जुलाई को प्रातः 01:36 मिनट से आरंभ होकर अगले दिन प्रातः 02:06 बजे तक रहेगी।

गोस्वामी तुलसीदास के अनुसार ?गुरु बिन भव निधि तरइ न कोई, जौ बिरंचि शंकर सम होई?यानि कोई भी व्यक्ति गुरु की कृपा और मार्गदर्शन के बिना भवसागर को पार नहीं कर सकता, चाहे वह कितना भी ज्ञानी या शक्तिशाली क्यों न हो।इस बार गुरु पूर्णिमा पर्व पर इंद्र योग बन रहा है,जो कि प्रातः काल से रात्रि 09:38 तक रहेगा।उसके बाद से वैधृति योग बनेगा इसके साथ ही भद्रा का भी असर रहेगा, लेकिन यह भद्रा पाताल लोक में रहने के कारण इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

डायट में शुरू हुआ पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण

पूर्ण मनोयोग से ग्रहण करें प्रशिक्षण : वार्ष्णेय

भारत संवाद

फरीदपुर (बरेली)।जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), फरीदपुर, बरेली में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत पांच दिवसीय फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमरेसी (एफएलएन) प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण का उद्घाटन डायट प्राचार्या दीप्ति वार्ष्णेय ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्प अर्पण के साथ किया। यह प्रशिक्षण शिक्षकों के क्षमता संवर्धन और निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में शिक्षक संदर्शिका, प्रभावी कक्षा शिक्षण, प्रिंटेड सामग्री, शिक्षण सहायक सामग्री (टीएलएम), और लाइब्रेरी पुस्तकों के उपयोग को गतिविधियों के माध्यम से सिखाया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थी मास्टर ट्रेनर के रूप में जनपद के सभी विकास खंडों में प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों और शिक्षामित्रों को प्रशिक्षित करेंगे। डायट प्राचार्या दीप्ति वार्ष्णेय ने कहा कि यह प्रशिक्षण राज्य स्तर पर प्रशिक्षित संदर्भदाताओं द्वारा दिया जा रहा है।उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से पूर्ण मनोयोग से सीखने और ब्लॉक स्तर पर गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने का आह्वान किया। डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं प्रशिक्षण प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि एफएलएन प्रशिक्षण प्रत्येक वर्ष छात्रों के अधिगम को बेहतर बनाने के लिए आयोजित होता है।सत्र 2025-26 में डायट द्वारा यह पहला प्रशिक्षण है, जिसमें रिमेडियल शिक्षण पर भी ध्यान दिया जाएगा।प्रशिक्षण के नोडल डायट प्रवक्ता श्रीकांत मिश्रा ने कहा कि प्रशिक्षण सत्र निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संचालित होंगे, जिसमें भाषा, गणित, और अंग्रेजी की पाठ्यपुस्तकों, कार्यपुस्तिकाओं, और शिक्षक संदर्शिकाओं का प्रभावी उपयोग आधार होगा।इस अवसर पर डायट प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार, एसआरजी डॉ. लक्ष्मी शुक्ला, और डॉ. धर्मवीर ने विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला और गतिविधियां संचालित कीं। जनपद के विभिन्न विकास खंडों से आए एआरपी, केआरपी और विषय विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण को पूर्ण लगन से ग्रहण किया।

पूर्व सपा विधायक और उनके साले समेत 3 पर एफआईआर

पूर्व सेक्टर प्रभारी की मौत का मामला, पीएम रिपोर्ट ने आरोपों को किया खारिज

भारत संवाद

सुलतानपुर, एक पूर्व सेक्टर प्रभारी की संदिग्ध मौत के मामले में मृतक की पत्नी की तहरीर पर पूर्व सपा विधायक संतोष पांडेय, विवेक मिश्रा और सुशील निषाद पर केस दर्ज हुआ है।मारपीट का आरोप लगाया है। मृतका की पत्नी सरिता यादव के अनुसार, 3 जुलाई की रात को विवेक मिश्रा और सुशील निषाद ने सुनील यादव को गांव स्थित लाला की बाग में बुलाया। दोनों ने उन्हें लात-घूसों और हथियार की बट से मारा। विवेक मिश्रा ने सुनील के सीने पर चढ़कर लातें मारीं, जिससे उनके मुंह से खून निकलने लगा। आरोपियों ने प्रधानी का चुनाव लड़ने पर जान से मारने की धमकी भी दी।घटना के बाद सुनील ने रात 3 बजे फेसबुक पर पोस्ट कर प्रशासन से सुरक्षा की मांग की। अगले दिन पूर्व विधायक संतोष पांडेय ने सुनील को अपने पास बुलाया।उन्होंने सुनील का मोबाइल छीन लिया और उन्हें पीटा। फेसबुक पोस्ट और धमकी की रिकॉर्डिंग को डिलीट कर दिया।पांडेय ने भी प्रधानी का चुनाव लड़ने पर जान से मारने की धमकी दी। इस घटना के बाद से सुनील की तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें बीच-बीच में खून की उल्टियां होती रहीं।

कार में दम घुटने से पालतू डॉगी की मौत

3 घंटे तक अंदर छटपटाता रहा, मथुरा में दर्शन करने गए थे दंपती

भारत संवाद

मथुरा, कार में दम घुटने से पालतू डॉग की मौत हो गई।पार्किंग में खड़ी कार के अंदर डॉग करीब 3 घंटे तक तड़पता रहा।वहां मौजूद लोगों ने डॉग को बाहर निकालने की काफी कोशिश की।मगर जब तक कार का गेट खोल पाते डॉग की जान जा चुकी थी। वृंदावन में दर्शन करने आए दंपती पालतू डॉग को कार में बंद करके चले गए थे।पार्किंग में मौजूद गार्ड ने डॉग को बाहर निकालने की बात कही थी।मगर दंपती ने मना कर दिया। दर्शन करके लौटे दंपती ने अपने डॉग को मरा हुआ देखा तो रोने लगे।बोले- हमारी एक गलती से मेरे बच्चे की जान चली गई। जिला संयुक्त चिकित्सालय में रविवार को एक बिहार नंबर की अर्टिगा कार पहुंची।

व्यापार मंडल अध्यक्ष पर जमीन कब्जाने का आरोप

भारत संवाद

अमेठी जिला, उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिला अध्यक्ष महेश सोनी पर एक बुजुर्ग महिला ने जमीन कब्जाने का आरोप लगाया है।इस मामले में करणी सेना डब्ल्यूएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने अपने समर्थकों के साथ एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है।राष्ट्रीय अध्यक्ष का कहना है कि महेश सोनी पर लगे सभी आरोप निराधार हैं।उनका मानना है कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण उन्हें बदनाम किया जा रहा है।सोशल मीडिया पर यह चर्चा है कि सोनी ने बुजुर्ग महिला की जमीन का बिना पैसा दिए बैनामा करा लिया। महेश सोनी ने इन आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि उन्होंने न तो किसी की जमीन का बैनामा कराया है और न ही कब्जा किया है। वे खुद बुजुर्ग महिला को न्याय दिलाने के लिए तैयार हैं। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि अगर सोनी दोषी हैं तो उन पर कार्रवाई की जाए।

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये निम्नलिखित रेलगाड़ियों के अस्थाई ठहराव का विस्तार किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत हैः-

गाड़ी सं.	कहाँ से कहाँ तक	स्टेशन पर ठहराव	विस्तार की समय सीमा
19053	सूरत-मुज़फ्फरपुर एक्स.	मुंगावली	अगले निर्देश तक
19054	मुज़फ्फरपुर-सूरत एक्स.		
20961	उधना-बनारस सुपरफास्ट एक्स.	बदरवास	
20962	बनारस-उधना सुपरफास्ट एक्स.		
22193	दौण्ड-ग्वालियर सुपरफास्ट एक्स.	बदरवास	
22194	ग्वालियर-दौण्ड सुपरफास्ट एक्स.		
12149	पुणे-दानापुर एक्सप्रेस	खिरकिया	
12150	दानापुर-पुणे एक्सप्रेस		
19483	अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस		
19484	बरौनी-अहमदाबाद एक्सप्रेस		

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1192/25(MG)

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 3820252026 — निविदा सूचना — दिनांक- 04.07.2025

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक **30.07.2025** को **13:30** बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है-

कार्यों का विवरणः वरिष्ठ मण्डल अभियंता चतुर्थ प्रयागराज के अधीन टूंडला-गाज़ियाबाद सेक्शन में 5 ट्यूबवेल, पंप हाउस और सहयोगी पाइप लाइनों का प्रावधान का कार्य।

क्र.सं.	निविदा नं.	अनुमानित मूल्य	बयाने की रकम	कार्य समापन की अवधि
1	118	₹16943636.10	₹234700.00	12 माह

निविदा खुलने की तिथिः 30.07.2025, सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः गहरे ट्यूबवेलों की ड्रिलिंग का कार्य। **नोटः 1.** ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। **2.** उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित **IREPS** वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि दिनांक **30.07.2025** समय **13.30** बजे तक उपलब्ध है। **3.** उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं कि जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको **I.T. Act 2000** के अन्तर्गत **CCA** द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ **IREPS** की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **4.** निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर प्रमाणपत्र जैसा निविदा पत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेगें, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। **5.** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए **IREPS** की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **6.** निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-1 के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अन्यथा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदानुसार अविचारणीय होगी। **1171/25 FA**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में आशिंक रूप से निरस्त एवं परिवर्तित मार्ग पर चलने वाली रेलगाड़ियों की बहाली (Restoration) किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत हैः-

आंशिक रूप से निरस्त गाड़ियों की बहाली

गाड़ी संख्या	स्टेशन से - स्टेशन तक	स्टेशनों के मध्य बहाल	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
51973	मथुरा जं.-जयपुर	खातीपुरा-जयपुर	13.07.2025
51974	जयपुर-मथुरा जं.	जयपुर-खातीपुरा	13.07.2025
12195	आगरा किला-अजमेर जं.	बांदीकुई जं-अजमेर जं.	13.07.2025
12196	अजमेर जं.-आगरा किला	अजमेर जं-बांदीकुई जं.	13.07.2025

परिवर्तित मार्ग पर चलने वाली रेलगाड़ियों की बहाली

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	निर्धारित मार्ग पर बहाली	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
14853	वाराणसी सिटी - जोधपुर	भरतपुर जं.- बांदीकुई जं. - जयपुर जं.	12.07.25
12403	प्रयागराज जं.- लालगढ़ जं.	आगरा छावनी - मथुरा जं. - अलवर - जयपुर	12.07.25

उपरोक्त के अतिरिक्त गाड़ी संख्याः 09039 उधना-दानापुर विशेष रेलगाड़ी के समय में संशोधन किया गया है, यह संशोधन प्रारम्भिक स्टेशन उधना-दिनांक 11.07.2025 से प्रभावी होगा, जिसका विवरण निम्नवत है।

स्टेशन	वर्तमान समय	संशोधित समय
प्रयागराज छिवकी जं.	19:50/20:00	18:10/18:20
मिर्जापुर	21:25/21:27	20:00/20:02

नोट– ट्रेनों की समय–सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1190/25(DG)

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939 (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

मूंगफली और बादाम से बनाएं स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन

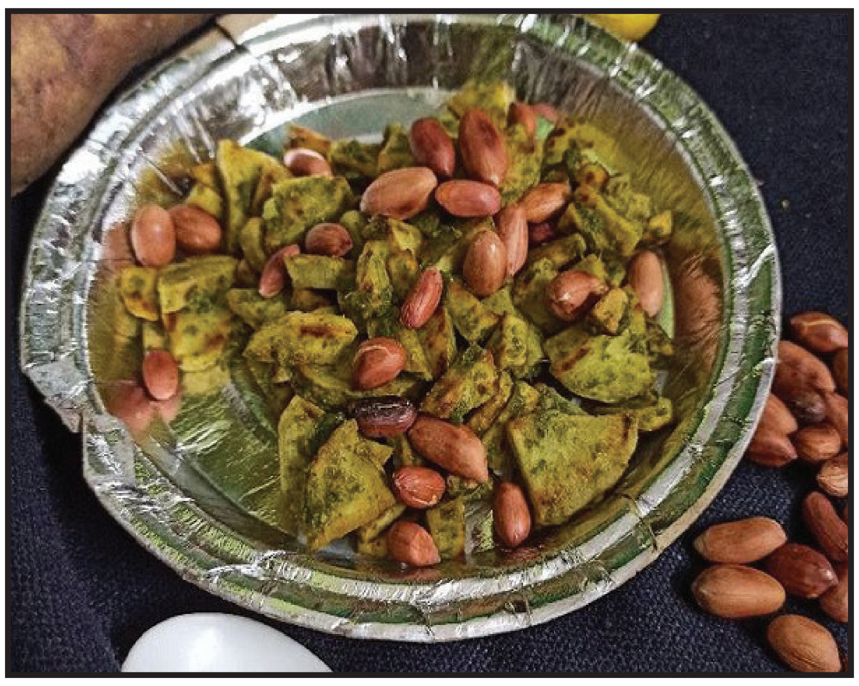

सर्दियों का मौसम चल रहा है, ऐसे में मूंगफली और बादाम जैसी चीजें सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। मूंगफली और बादाम से आप कई तरह के स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन बना सकते हैं। आइए जानते हैं इनके कुछ खास रेसिपीज़, जिन्हें आप आसानी से घर पर बना सकते हैं।

1. मूंगफली-बादाम हलवा

सामग्री
मूंगफली : 100 ग्राम
बादाम : 50 ग्राम
घी : 2 चम्मच
दूध : 1 कप
चीनी : स्वादानुसार
इलायची पाउडर : 1 चुटकी

विधि

मूंगफली और बादाम को हल्का भूनकर पीस लें। एक पैन में घी गर्म करें और इसमें मूंगफली-बादाम का पाउडर डालकर भूनें। इसमें दूध और चीनी डालें और धीमी आंच पर पकाएं। जब हलवा गाढ़ा हो जाए, तो इसमें इलायची पाउडर डालें।

गरमागरम हलवा तैयार है, इसे परोसें।

सामग्री
मूंगफली : 100 ग्राम
काजू : 50 ग्राम
आलू : 2 उबले हुए
हरी मिच : 1 बारीक कटी हुई
अदरक पेस्ट : 1 चम्मच
नमक : स्वादानुसार
तेल : टिक्का तलने के लिए

विधि मूंगफली और काजू को पीसकर पेस्ट बना लें। इसमें आलू, हरी मिर्च, अदरक पेस्ट और नमक मिलाकर टिक्की का मिश्रण तैयार करें। टिक्की का आकार देकर तेल में सुनहरा होने तक तलें। गरमागरम टिक्का हरी चटनी के साथ परोसें।

3. शकरकंद-मूंगफली चाट

सामग्री
शकरकंद : 2 उबले हुए
मूंगफली : 50 ग्राम भुनी हुई
हरा धनिया : 1 चम्मच
नींबू का रस : 1 चम्मच
नमक और चाट मसाला : स्वादानुसार

विधि

शकरकंद को छोटे टुकड़ों में काट लें। इसमें भुनी मूंगफली, हरा धनिया, नींबू का रस, नमक और चाट मसाला डालकर अच्छे से मिलाएं। तैयार चाट को तुरंत परोसें।

4. पीनट बटर

सामग्री
मूंगफली : 1 कप
शहद : 1 चम्मच
तेल : 1 चम्मच (ऑप्शनल)

विधि

मूंगफली को हल्का भूनकर छिलका उतार लें। मूंगफली को मिक्सर में पीस लें। इसमें शहद और तेल डालें और फिर से ब्लेंड करें। क्रीमी टेक्सचर आने तक पीसते रहें। आपका घर का बना पीनट बटर तैयार है। इसे ब्रेड या रोटी के साथ खाएं। मूंगफली या पीनट बटर खरीदते समय मिलावट का ध्यान रखें। हमेशा ब्रांडेड और भरोसेमंद स्रोत से ही खरीदारी करें।

परफेक्ट तरीके से बेसन लड्डू बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

बेसन के लड्डू बाते समय घी डालने की टाइमिंग भी काफी मैटर करती है। कई बार लोग घी में पहले ही सारा घी डाल देते हैं। लेकिन आप स्टार्टिंग में थोड़ा घी डालो ताकि बेसन अच्छे से भुने। इसके बाद आप बीच में ही थोड़ा-थोड़ा करके घी डालते रहो।

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें मीठा खाना काफी पसंद होता है। अक्सर वे ना केवल बाजार से मिठाई लाकर खाते हैं, बल्कि

घर पर भी मीठा बनाते हैं। अगर आप भी मीठे के दीवाने हैं और बेसन के लड्डू आपके फेवरिट हैं तो मुंह में घुल जाने वाली इस मिठाई को खुद घर पर ही बना सकते हैं। बेसन के लड्डू बनाना काफी आसान है, लेकिन इस सिंपल सी दिखने वाली रेसिपी में भी कई बार लड्डू बनाते वक्त कुछ छोटी-छोटी गलतियां हो जाती हैं। कभी बेसन जल जाता है, तो कभी लड्डू अच्छी तरह से बंधते नहीं है।

हो सकता है कि आप भी घर पर बेसन के लड्डू बना रहे हों और आपके सामने यही दिक्कतें आ रही हों। ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप घर पर बेसन के लड्डू बनाते समय फॉलो कर सकते हैं-

तेज आंच पर ना भूनें बेसन

अक्सर यह देखने में आता है कि जब लोग बेसन के लड्डू बनाते हैं तो बेसन को तेज आंच पर भूनने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बेसन भूनने की जगह जलने लगता है। इसलिए, आपको हमेशा धीमी आंच पर ही बेसन को भूनना चाहिए। जब हल्की सी खुशबू आए और बेसन का रंग सुनहरा होने लगे, तो समझे कि बेसन अच्छी तरह से भूनने लगा है।

सही समय पर डालें घी

बेसन के लड्डू बाते समय घी डालने की टाइमिंग भी काफी मैटर करती है। कई बार लोग घी में पहले ही सारा घी डाल देते हैं। लेकिन आप स्टार्टिंग में थोड़ा घी डालो ताकि बेसन अच्छे से भुने। इसके बाद आप बीच में ही थोड़ा-थोड़ा करके घी डालते रहो।

बैटर को ठंडा ना होने दें

बेसन के लड्डू में शक्कर अच्छी तरह घुल जाए, इसके लिए जरूरी है कि आपका भुना हुआ बेसन हल्का गरम ही हो। अगर आपका बेसन एकदम ठंडा हो जाएगा तो इससे उसमें शक्कर अच्छी तरह मिक्स नहीं होता है। वहीं, अगर आप गरम बेसन में शक्कर मिक्स करते हैं तो इससे लड्डू भी बाइंड अच्छी तरह होंगे। साथ ही, इस बात का भी ख्याल रखें कि आप दानेदार चीनी की जगह बूरा या फिर पिसी हुई शक्कर डालकर मिक्स करें। दानेदार शक्कर का इस्तेमाल करने से लड्डू खाते समय वह मुंह में किरकिरा महसूस होगा।

आम की गुठली से बनाएं टेस्टी और क्रिस्पी मुखवास, स्वाद में होंगे बेहतरीन

आप आम की गुठली की सहायता से टेस्टी डिश बनाई जा सकती है। आज हम आपके साथ आम की गुठली के अंदर के बीज से चटपटे लच्छे बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह काफी टेस्टी और क्रिस्पी होते हैं।

गर्मियों में फलों का राजा आम हर किसी को खाना पसंद होता है। इसमें कई विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य को तंदुरुस्त रखते हैं। हालांकि लोग आम खाने के बाद लोग गुठली को फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आम की गुठली भी कम फायदेमंद नहीं होती है। बल्कि आप आम की गुठली की सहायता से टेस्टी डिश बनाई जा सकती है। आज हम आपके साथ आम की गुठली के अंदर के बीज से चटपटे लच्छे बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह काफी टेस्टी और क्रिस्पी होते हैं। इसको मुखवास के नाम से भी जाना जाता है।

सामग्री
4 से 5 आम की गुठली
लाल मिर्च पाउडर
भुना जीरा पाउडर
चाट मसाला
काला और सफेद नमक

करें ये काम

सबसे पहले 4-5 आम की गुठली को अच्छे से धोकर बेकिंग ट्रे पर रखें। अब इसको 180 सेल्सियस पर करीब 10 से 15 मिनट के लिए माइक्रोवेव में पकाएं। बेक करने से यह कड़क हो जाएगा और आराम से कट जाएगा। फिर इस गुठली के अंदर से आपको बीज निकालें। अब कुकर में बीज और पानी डालकर 2 सीटी आने तक पकाएं। फिर बीज की स्किन निकालकर इसको लंबे-लंबे स्लाइस में काटें।

ऐसे बनाएं गुठली के लच्छे

सबसे पहले एक पैन में तेल गर्म कर लें। अब इन बीज के स्लाइल्स को हल्का रोस्ट कर लें। अब इसके ऊपर से भुना जीरा पाउडर, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, काला नमक, नॉर्मल नमक डालें। इसको टॉस देने के बाद हल्का मिला दें। इस तरह से आम की गुठली से बना चटपटा लच्छा तैयार हो जाएगा।

किचन में सिंक से आ रही है तेज बदबू, कॉफी का यह आसान नुस्खा आएगा काम

अमूमन हम सभी को यह समझ ही नहीं आता कि इस बदबू से निजात पाने के लिए क्या किया जाए, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी मॉर्निंग कॉफी की मदद से अपनी इस समस्या का हल कर सकती हैं।

किचन में सिंक एक ऐसी जगह होती है, जिसमें गंदे बर्तन व झूठा बचा हुआ होता है। जिसकी वजह से अक्सर किचन सिंक से गंदी बदबू आती है। जब सिंक से बदबू आने लगती है तो पूरी किचन में ही वह बदबू फैलते देर नहीं लगती है। भले ही आप अपनी किचन को कितना भी आर्गेनाइज्ड व साफ-सुथरा रखती हों, लेकिन अगर सिंक से बदबू आ रही है तो ऐसे में आपकी सारी मेहनत बर्बाद होते देर नहीं लगती।

अमूमन हम सभी को यह समझ ही नहीं आता कि इस बदबू से निजात पाने के लिए क्या किया जाए, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी मॉर्निंग कॉफी की मदद से अपनी इस समस्या का हल कर सकती हैं। कॉफी आसपास की गंध को सोखने और उसे फ्रेश बनाने में मददगार है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप कॉफी की मदद से किचन सिंक की गंदी बदबू को किस तरह दूर करें-

आपको किन-किन चीजों की जरूरत होगी-

इस्तेमाल की हुई कॉफी
उबला हुआ पानी
बेकिंग सोडा
नींबू रस या सिरका

कॉफी को किस तरह इस्तेमाल करें-

सबसे पहले सुबह कॉफी बनाने के बाद उसके ग्राउंड्स को फेंकने की जगह थोड़ा ठंडा होने दो। इसे पूरी तरह से सूखने मत दो।

अब इसमें एक चम्मच बेकिंग सोडा उस कॉफी में मिलाओ। इससे पाइप की भी हल्की सफाई हो जाएगी और बदबू भी अच्छे से हटेगी।

अब आप 2-3 चम्मच कॉफी का मिक्स सिंक के ड्रेन में डाल दो।

आप इसे ज़्यादा ना डालें, नहीं तो पाइप जाम हो सकता है।

अब एक केतली पानी उबालें और फिर उस उबलते हुए पानी की डाल दो।

इससे कॉफी नीचे बहेगी और गंदगी भी साफ़ होगी। फ्रेशनेस की खुशबू तुरंत महसूस होगी।

अगर बदबू बहुत ज़्यादा है तो कॉफी डालने के बाद थोड़ा नींबू रस या सिरका डाल दो, फिर गर्म पानी डालो।

कितनी बार इस्तेमाल करें

किचन सिंक की बदबू को दूर करने और उसे फ्रेश बनाए रखने के लिए हफ्ते में एक बार करना काफी है। ध्यान रखें कि रोज़ या बहुत ज़्यादा कॉफी डालना पाइप ब्लॉक कर सकता है, इसलिए लिमिट में करो।

इस बात का रखें ध्यान

अगर तुम्हारे घर का पानी धीरे बहता है या पहले से ड्रेनेज धीमा है, तो ये ट्रिक ना आज़माएं। साथ ही, हर बार ढेर सारा गर्म पानी डालना ज़रूरी है ताकि कॉफी नीचे ठीक से जाए।

ट्रम्प ने 14 देशों पर टैरिफ लगाया, भारत शामिल नहीं

जापान-साउथ कोरिया पर 25%, म्यांमार पर 40% टैरिफ; 1 अगस्त से लागू होगा

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को बांग्लादेश-जापान समेत 14 देशों पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया है। ट्रम्प प्रशासन ने सोमवार को सभी प्रभावित देशों को औपचारिक रूप से लेटर भेजकर इस निर्णय की जानकारी दी। इस फैसले के तहत कुछ देशों पर 25% टैक्स लगाया गया है, जबकि कुछ पर 30% से 40% तक का भारी शुल्क लगाया गया है। दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं को ट्रम्प ने सबसे पहले लेटर भेजा और कहा कि उनके देश से आने वाले सामान पर अब 25% शुल्क लगेगा। उन्होंने लिखा कि ये टैक्स इसलिए जरूरी हैं, ताकि अमेरिका और इन देशों के बीच व्यापार में जो असंतुलन है, उसे सुधारा जा सके। ये टैरिफ 1 अगस्त से लागू होंगे। इसके साथ ही ट्रम्प ने 1 अगस्त से ग्लोबल टैरिफ लगाने की घोषणा की। पहले ट्रम्प 9 जुलाई को इसका ऐलान करने वाले थे। ट्रम्प ने अप्रैल में पहली बार सभी अमेरिकी आयात पर 10% बेसलाइन टैक्स और 60 देशों पर अलग-अलग टैक्स लगाने की बात की थी। उस घोषणा के बाद दुनियाभर के शेयर और बॉन्ड बाजारों में उथल-पुथल मच गई थी, इसलिए उन्होंने टैरिफ को कुछ समय के लिए टाल दिया था और देशों को अमेरिका के साथ नई डील करने का मौका दिया था। पहले उन्हें 8 जुलाई तक का वक्त दिया गया था, ताकि 9 जुलाई से नए टैरिफ लागू हो सकें। अब ये डेडलाइन बढ़ाकर 1 अगस्त कर दी गई है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा है कि ट्रम्प इस हफ्ते कई देशों के साथ ट्रेड डील का ऐलान कर सकते हैं। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील बहुत करीब पहुंच चुकी है। यूरोपीय यूनियन भी अमेरिका के साथ समझौता करने के काफी नजदीक है। इसके साथ ही पाकिस्तान, ताइवान और स्विटजरलैंड जैसे दूसरे देश में अमेरिका के साथ ट्रेड डील करने का रास्ता तलाश रहे हैं। अब तक अमेरिका ने सिर्फ ब्रिटेन और वियतनाम के साथ दो शुरूआती डील की हैं। हालांकि, इन समझौतों में ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। वियतनाम वाले सौदे में तो किसी भी पक्ष ने यह भी साफ नहीं किया कि वास्तव में किन बातों पर सहमति बनी है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका ने ब्रिटेन पर 10% का टैरिफ लगाया है। इसके अलावा स्टील और एल्युमीनियम पर अलग से अमेरिका 25% का टैरिफ लगाएगा। वहीं, ब्रिटेन, अमेरिकी सामानों पर 0% टैरिफ लगाएगा। वहीं, अमेरिका ने वियतनाम पर 20% टैरिफ लगाया है। यानी कि वियनताम के सामान अमेरिका में 20% ज्यादा कीमत पर बिकेंगे। वहीं, वियतनाम ने अमेरिकी सामानों पर 0% टैरिफ लगाया है जापान और साउथ कोरिया अमेरिका के करीबी साथी हैं, लेकिन उनके साथ अमेरिका की ट्रेड डील नहीं हो पाई। इसकी वजह यह भी है कि दोनों देशों में चुनाव होने वाले हैं। साथ ही ट्रम्प इन दोनों देशों के सबसे अहम प्रोडक्ट्स जैसे कि कार, स्टील और इलेक्ट्रॉनिक्स पर अलग से ज्यादा टैरिफ लगाने की बात भी कर रहे हैं। ट्रम्प बोले- यूएस, भारत के साथ डील करने के करीब ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मेजबानी करते हुए पत्रकारों से भी बात की।

अमेरिका यूक्रेन को हथियार देगा, डिफेंस मिसाइलें शामिल

ट्रम्प बोले- रूस से जंग में उसे खुद को बचाना होगा; पिछले हफ्ते सप्लाई रोकी थी

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को कहा कि वह फिर से यूक्रेन को हथियार भेजेंगे। उन्होंने कहा, इनमें सेल्फ डिफेंस वाले हथियार ज्यादा होंगे, ताकि रूस के खिलाफ जंग में वह खुद का बचाव कर सके। इससे पहले 1 जुलाई को ट्रम्प सरकार ने अमेरिका के हथियार भंडार में कमी आने के बाद यूक्रेन को दिए जाने वाले कुछ हथियारों की सप्लाई पर रोक लगा दी थी। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा, सच कहूं तो मैं इस बात से निराश हूं कि पुतिन ने अपनी हरकतें बंद नहीं की। दरअसल, ट्रम्प ने रूस और यूक्रेन से युद्ध विराम के लिए कई बार बातचीत की थी, लेकिन पुतिन ने सीजफायर से मना कर दिया था। यूक्रेन को हथियार सप्लाई रोकने का फैसला अमेरिका के हथियार भंडार में कमी आने के बाद लिया गया था। जिस पर अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने साइन किए थे। रूस और यूक्रेन के बीच 24 फरवरी 2022 से जंग जारी है। अमेरिका यूक्रेन को सैन्य मदद देने वाला सबसे बड़ा इकलौता देश है। अमेरिका ने जंग शुरू होने के बाद से यूक्रेन को एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, रॉकेट लॉन्चर, रडार, टैंक और कई एंटी रडार हथियार दिए हैं। यूक्रेन ने अमेरिका और यूरोप से और सैन्य सहायता मांगी थी। जेलेंस्की ने कहा था कि यूक्रेन को अपने हवाई रक्षा प्रणाली और ड्रोन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है। यूक्रेन ने यूरोपीय सहयोगियों और एक अमेरिकी कंपनी के साथ ड्रोन उत्पादन के लिए समझौते किए हैं। जिससे यूक्रेन को इस साल लाखों ड्रोन मिलेंगे। जेलेंस्की ने सोमवार को टेलीग्राम पर लिखा, जीवन की रक्षा के लिए वायु रक्षा सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा- इसमें इंटरसेप्टर ड्रोन का विकास और प्रोडक्शन भी शामिल है, जो रूस के लंबी दूरी के शाहेद ड्रोन को रोक सकते हैं। ड्रोन के इस्तेमाल से यूक्रेन को सैनिकों की कमी की भरपाई करने में भी मदद मिली है। रूस ने सोमवार को यूक्रेन पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं। रूसी हमलों में 11 नागरिक मारे गए और 80 से ज्यादा घायल हुए, जिनमें सात बच्चे भी शामिल हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने पिछले हफ्ते 1 हजार से ज्यादा ड्रोन, 39 मिसाइल और करीब 1 हजार ग्लाइड बम दागे।

रूस ने यूक्रेन के सैन्य भर्ती केंद्रों पर भी हमले किए, जिससे खार्किव और जपोरिझिया में 17 लोग घायल हुए। रूस ने दावा किया की उसने 91 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए।

नेपाल-चीन बॉर्डर पर भोटेकोशी नदी में बाढ़

12 नेपाली, 6 चीनी लापता; दोनों देशों को जोड़ने वाला मिटेरी ब्रिज और कई गाड़ियां बहीं

एजेंसी

काठमांडू, नेपाल-चीन बॉर्डर पर भोटेकोशी नदी में मंगलवार सुबह करीब 3 बजे अचानक बाढ़ आ गई। इसमें 18 लोग लापता हैं, जिसमें 12 नेपाली और 6 चीनी नागरिक हैं। 12 नेपालियों में 3 पुलिसकर्मी, 9 नागरिक हैं। सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है। घटना चीनी सीमा पर नेपाल के रसुवा जिले में रसुवागढ़ी बॉर्डर पॉइंट की है। बाढ़ में नेपाल को चीन से जोड़ने वाला मेन पुल 'मिटेरी ब्रिज' ढह गया। मिटेरी ब्रिज से चीन-नेपाल के बीच रोजाना लाखों रुपए का व्यापार होता था। रसुवा में कस्टम्स ऑफिस का यार्ड भी क्षतिग्रस्त हो गया। कस्टम यार्ड में खड़े कई कार्गो कंटेनर भी बह गए। सभी कंटेनर सामान से भरे हुए थे। कस्टम यार्ड के अंदर फंसे कुछ लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन सभी तरफ बाढ़ के पानी के कारण चल रहे ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है। पुल बहने से चीन-नेपाल के बीच व्यापार रुका भोटेकोशी नदी में बाढ़ से नेपाल को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। पुल बहने से इस रूट से चीन और नेपाल के बीच होने वाला व्यापार रुक गया है। नेपाल को अब सामान मंगवाने के लिए भारत पर निर्भर होना पड़ेगा।

सामान को चीन से भारत और फिर उसे जमीन के रास्ते नेपाल मंगाया जा सकता है। नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) ने बताया कि भोटेकोशी नदी के बढ़ते पानी ने तिमुरे में एक ईवी चार्जिंग स्टेशन से आठ इलेक्ट्रिक वाहनों को भी बहा दिया। पासंग ल्हामू हाईवे पर भी कई जगह लैंडस्लाइड हुआ। सड़क का बड़ा हिस्सा नदी के साथ बह गया है। जिससे परिवहन ठप हो गया है। बाढ़ में कई घर और चीन से मंगाए पांच इलेक्ट्रिक वाहन भी बह गए। नेपाल के कई हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स को नुकसान रसुवा के रासुवागढ़ी हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स को बुरी तरह नुकसान पहुंचा है, जिसके कारण 200 मेगावाट तक बिजली उत्पादन पूरी तरह रुक गया है। चिलीम हाइड्रोपावर कंपनी के सीईओ बाबूराजा महाराजन ने बताया कि बाढ़ में भोटे कोशी और त्रिशूली कॉरिडोर प्रोजेक्ट्स भी बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। आने वाले दिनों में यहां बिजली उत्पादन फिर से शुरू होने की कोई संभावना नहीं है। रसुवागढ़ी में भी परिचालन फिर से शुरू करना संभव नहीं है। सितंबर, 2024 में नेपाल में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ और लैंडस्लाइड के कारण 35 बच्चों सहित 215 से अधिक लोग मारे गए थे। दर्जनों लोग लापता हो गए। अधिकांश मौतें राजधानी काठमांडू में हुई, जहां 27 सितंबर से लगातार 3 दिन तक हुई बारिश ने 50 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। इसमें सैकड़ों घर, स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गए। नेपाल के 77 में से 44 जिले प्रभावित हुए थे। कई पुल और सड़कें बह गईं। सुरक्षा बलों और स्वयंसेवकों ने लगभग 4,500 लोगों को बचाया था।

इजराइल का यमन में हूती लड़ाकों के पोर्ट पर हमला

कहा- हम पर जो हाथ उठेगा, काट देंगे; इजराइल-हमास कतर में सीजफायर वार्ता करेंगे

एजेंसी

तेल अवीव, इजराइल और हमास के बीच कतर में सोमवार को शांति वार्ता से पहले इजराइली सेना ने यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को निशाना बनाया। सोमवार तड़के इजराइली सेना के लड़ाकू विमानों ने यमन में हुदैदा, रास ईसा और सलीफ में हूतियों के कंट्रोल वाले बंदरगाहों के अलावा रास कनेटिब स्थित एक पावर प्लांट को निशाना बनाया। इजराइली रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि इन ठिकानों का इस्तेमाल हूती ईरान से हथियारों की तस्करी और इजराइल व उसके सहयोगी देशों पर हमलों के लिए करते हैं। इजराइली अधिकारियों ने यह भी दावा किया कि यमन में इस हमले का एक मकसद हूती सैन्य प्रमुख मुहम्मद अल-गमारी भी था। इजराइली हमले के जवाब में हूतियों ने भी मिसाइलें और ड्रोन दागे। इन हमलों के बाद हूती सैन्य प्रवक्ता या सरी ने कहा कि उनके बलों ने इजराइल के बेन गुरियन एयरपोर्ट, अश्दोद और एलात पोर्ट तथा अश्केलोन के पावर स्टेशन पर मिसाइल हमले किए गए। इसी बीच, इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने इस कार्रवाई को जायज ठहराते हुए कहा- ईरान के लिए जो सही है, वही यमन के लिए भी लागू होगा। जो कोई इजराइल पर हाथ उठाएगा, उसका हाथ काट दिया जाएगा। हूती अपनी हरकतों की कीमत चुकाते रहेंगे। दूसरी तरफ इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू हमास के साथ सीजफायर प्रस्ताव पर चर्चा के लिए अमेरिका पहुंचे। यहां उन्होंने ट्रम्प के साथ वार्ता की। कतर ने इजराइल और हमास के बीच सीजफायर का प्रस्ताव दिया है।

राष्ट्रपति मुर्मू को मुर्मा, कोविंद को कोविड..!

मल्लिकार्जुन खड़गे पर बीजेपी ने लगाया गंभीर आरोप

खड़गे को व्यापक रूप से साझा किए गए वीडियो में मुरमा जी कहते हुए सुना जा सकता है, लेकिन बाद में उन्होंने तुरंत सुधार करते हुए मुर्मू जी कहा। कुछ सेकंड बाद, उन्होंने कोविंद को कोविड के रूप में गलत उच्चारण किया।

एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का अपमान करने का आरोप लगाया। खड़गे ने एक सार्वजनिक संबोधन के दौरान उनके नाम का गलत उच्चारण किया था। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, खड़गे को व्यापक रूप से साझा किए गए वीडियो में मुरमा जी कहते हुए सुना जा सकता है, लेकिन बाद में उन्होंने तुरंत सुधार करते हुए मुर्मू जी कहा। कुछ सेकंड बाद, उन्होंने कोविंद को कोविड के रूप में गलत उच्चारण किया। इसको लेकर भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी ने भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। ये कांग्रेस पार्टी की दलित विरोधी मानसिकता को दिखा रहा है। जो कांग्रेस पार्टी व राहुल गांधी संविधान को हाथ में लेकर चलते हैं, उन्हीं के इशारे पर मल्लिकार्जुन खड़गे जी ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणी करते हैं। जिसका आज भारत का हर नागरिक निंदा कर रहा है। भाटिया ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे जी श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को मुर्मा जी बुलाते हैं और पूर्व राष्ट्रपति जी राम नाथ कोविंद जी को कोविड बुलाते हैं। खड़गे जी, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को भू-माफिया बताते हैं, कहते हैं, ये हमारी जमीन और जंगल छीनने के लिए राष्ट्रपति बनी हैं। राहुल गांधी के इशारे पर मल्लिकार्जुन खड़गे जी जो आदिवासी विरोधी, दलित विरोधी, महिला विरोधी और संविधान विरोधी बयान दे रहे हैं, उस पर पूरा देश थू थू कर रहा है। जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर जाकर याद दिलाया कि कैसे कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने जनवरी 2022 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 'राष्ट्रपत्नी' कहा था, जिससे बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। पोनावाला ने लिखा, खड़गे जी मुर्मू जी को मुरमा जी कहते हैं। कोविंद जी का नाम गलत बोलते हैं। फिर उन्हें जमीन लुटेरे कहते हैं।

कांवड़ यात्रा के मद्देनजर दिल्ली में सख्ती

यात्रा के दौरान मीट की दुकानों पर ताला

इस बात की जानकारी मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता कपिल मिश्रा ने दी। मिश्रा ने संवाददाताओं से कहा कि इनमें से ज्यादातर मीट की दुकानें वैसे भी अवैध हैं और कानून के मुताबिक इन्हें नहीं चलना चाहिए। लेकिन कांवड़ यात्रा के दौरान इन्हें खास तौर पर बंद रखा जाएगा।

एजेंसी

हिंदू कैलेंडर के पवित्र महीने सावन के दौरान श्रद्धालु पवित्र नदियों से जल लेकर विभिन्न मंदिरों में भगवान शिव को चढ़ाने के लिए कांवड़ यात्रा करते हैं। इस साल कांवड़ यात्रा 11 जुलाई से शुरू होगी। 11 जुलाई से 23 जुलाई तक चलने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान, यूपी की तर्ज पर अब दिल्ली में भी मीट की दुकानें बंद रहेंगी। इस बात की जानकारी मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता कपिल मिश्रा ने दी। मिश्रा ने संवाददाताओं से कहा कि इनमें से ज्यादातर मीट की दुकानें वैसे भी अवैध हैं और कानून के मुताबिक इन्हें नहीं चलना चाहिए। लेकिन कांवड़ यात्रा के दौरान इन्हें खास तौर पर बंद रखा जाएगा। हालांकि, मंत्री ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह प्रतिबंध केवल तीर्थयात्रा मार्ग पर पड़ने वाली मांस की दुकानों पर ही लागू होगा या नहीं। उन्होंने कहा कि इसको लेकर मांग की जरूरत नहीं है। कांवड़ यात्रा के दौरान इन्हें विशेष रूप से बंद रखा जाएगा। ये सभी अवैध दुकानें हैं और हम कांवड़ यात्रा के दौरान इन्हें संचालित करने की अनुमति नहीं दे सकते। पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने भी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि राज्य में कांवड़ यात्रा मार्ग पर कोई मांस न बेचा जाए। 26 जून को सरकार ने यह भी आदेश दिया कि तीर्थयात्रा मार्ग पर सभी भोजनालयों को अपने मालिकों के नाम प्रदर्शित करने होंगे। दूसरी ओर जंगपुरा से भाजपा विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दिल्ली में कांवड़ यात्रा मार्ग पर सभी शराब और मांस की दुकानों को अस्थायी रूप से बंद करने का अनुरोध किया था। विधायक ने कहा था कि शराब और मांस की दुकानों पर अस्थायी प्रतिबंध यात्रा की पवित्रता का सम्मान करेगा और किसी भी संभावित अप्रिय घटना को रोकेगा।

लगातार बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश के सात जिलों में बाढ़ का खतरा मडराया, प्रशासन ने बंद कराई 225 सड़कें

हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश होने के बीच स्थानीय मौसम विभाग ने मंगलवार को अगले 24 घंटों में सात जिलों के कुछ हिस्सों में अचानक हल्की से मध्यम बाढ़ आने की चेतावनी दी। ये जिले चंबा, कांगड़ा, मंडी, कुल्लू, शिमला, सोलन और सिरमौर हैं।

एजेंसी

भारत के पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की वजह से कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। सप्ताहांत में असामान्य रूप से भारी बारिश के कारण 23 बाढ़ और 16 भूस्खलन की घटनाओं के बाद उत्तर भारतीय राज्य में सैकड़ों घर, पुल, सड़कें और बिजली के खंभे बह गए। हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार, 19 बादल फटने की घटनाएं भी हुईं, जिसमें अचानक भारी मात्रा में बारिश हुई। इस सप्ताह और अधिक बारिश की चेतावनी के साथ कई जिले भूस्खलन के लिए हाई अलर्ट पर हैं। हिमालय के पहाड़ी इलाकों में फैला हिमाचल प्रदेश हाल के वर्षों में बार-बार प्रभावित हुआ है क्योंकि जलवायु आपातकाल के कारण मानसून की बारिश अनियमित हो गई है और अधिक तीव्र, अनियंत्रित रूप से गिर रही है। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश होने के बीच स्थानीय मौसम विभाग ने मंगलवार को अगले 24 घंटों में सात जिलों के कुछ हिस्सों में अचानक हल्की से मध्यम बाढ़ आने की चेतावनी दी।

जेलों में कट्टरपंथियों को पनपने से रोकने के लिए अमित शाह ने उठाये सख्त कदम

राज्यों को जारी की बड़ी सलाह

गृह मंत्रालय ने मॉडल प्रिजन मैनुअल 2016 और मॉडल प्रिजन्स एंड करेक्शनल सर्विसेज एक्ट, 2023 का हवाला देते हुए बताया कि इन मॉडल दस्तावेजों में उच्च-जोखिम कैदियों, उग्रवादियों आदि को अन्य कैदियों से पृथक रखने के लिए विशेष सुरक्षा वाले कारागारों की व्यवस्था की संस्तुति दी गई है।

एजेंसी

इस तरह के वाकये पूरी दुनिया में देखने को मिल रहे हैं कि जेलों में बंद कट्टरपंथी दूसरे कैदियों का भी ब्रेन वॉश करके उन्हें गलत राह पर धकेल देते हैं। देखा जाये तो जेलों में कैदियों को कट्टरपंथी बनाये जाने की घटनाएं अब गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। यह प्रवृत्ति आंतरिक सुरक्षा के लिए तेजी से बड़ा खतरा बन रही है इसलिए संकट की गंभीरता को समझते हुए भारत सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस दिशा में तुरंत प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों को जारी एक परामर्श में कहा गया है कि कारागारों में बंद कमजोर मानसिकता वाले व्यक्तियों में उग्र विचारधारा के प्रसार को रोकना तथा ऐसे कैदियों को मुख्यधारा में लौटाने के लिए डि-रेडिकलाइजेशन की प्रक्रिया अपनाना अत्यंत आवश्यक है। यह न केवल सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी है, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी सहायक सिद्ध होगा। देखा जाये तो

कारागार एक सीमित व नियंत्रित वातावरण होता है जहाँ सामाजिक अलगाव, समूह मनोवृत्ति तथा निगरानी की सीमितता जैसी परिस्थितियाँ अतिवादी विचारों के पनपने के लिए उपजाऊ भूमि बन जाती हैं। कई बंदी, जो पहले से ही हताशा, समाज से कटाव या हिंसात्मक प्रवृत्तियों से ग्रस्त होते हैं, ऐसे माहौल में उग्रपंथी विचारधाराओं के प्रभाव में आ जाते हैं। इसलिए गृह मंत्रालय ने चेताया है कि कुछ मामलों में कट्टरपंथी बंदी हिंसात्मक गतिविधियों में लिप्त हो सकते हैं– चाहे वह जेल के स्टाफ पर हमला हो, अन्य बंदियों को नुकसान पहुँचाना हो या फिर बाहरी नेटवर्क के साथ मिलकर देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देना हो। गृह मंत्रालय ने मॉडल प्रिजन मैनुअल 2016 और मॉडल प्रिजन्स एंड करेक्शनल सर्विसेज एक्ट, 2023 का हवाला देते हुए बताया कि इन मॉडल दस्तावेजों में उच्च-जोखिम कैदियों, उग्रवादियों आदि को अन्य कैदियों से पृथक रखने के लिए विशेष सुरक्षा वाले कारागारों की व्यवस्था की संस्तुति दी गई है।